

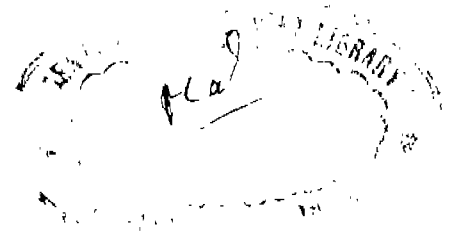


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 107]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, दिसम्बर 16, 1999/अग्रहायण 25, 1921

No. 107]

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 16, 1999/AGRAHAYANA 25, 1921

आन्धा बैंक

(भारत सरकार का उपक्रम)

अधिसूचना

हैदराबाद, 8 दिसम्बर, 1999

सं. 666/31/72/130.—बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण), अधिनियम, 1980 की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आन्धा बैंक का निदेशक मण्डल, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श और केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्

अध्याय - I

परिचय

1 संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :

- 1 ये विनियम आन्धा बैंक सामान्य विनियमन, 1998 के नाम से जाने जाएंगे ।
- 2 ये विनियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

2 परिभाषाएं : इन विनियमों में जब तक कि विषय या संदर्भ या अर्थ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

क 'अधिनियम' बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण व अंतरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 40) से अभिप्रेत है,

- स "बैंक" अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत गठित अन्धा बैंक से अभिप्रेत है,
- ग "मण्डल" अधिनियम की धारा 9 के अंतर्गत गठित निदेशक मण्डल से अभिप्रेत है,
- घ "अध्यक्ष" मंडल के अध्यक्ष से अभिप्रेत है,
- ङ "समिति" मंडल द्वारा गठित समिति से अभिप्रेत है,
- च "कार्यपालक निदेशक" उस पूर्णकालिक निदेशक से अभिप्रेत है, जो प्रबंध निदेशक नहीं है,
- छ "महा प्रबन्धक" बैंक के महा प्रबन्धक से अभिप्रेत है,
- ज "प्रबन्धन समिति" योजना के संड 13 के अंतर्गत गठित समिति से अभिप्रेत है,
- झ "प्रबन्ध निदेशक" बैंक के प्रबन्ध निदेशक से अभिप्रेत है,
- ञ "रजिस्टर" बैंक की एक या एक से अधिक बहियों में शेयर धारक के रजिस्टर से अभिप्रेत है । इस में अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2घ) के अधीन कंप्यूटर फ्लोपी या डिस्कट में रसे गये शेयर धारक रजिस्टर भी सम्मिलित है ।
- ट "रजिस्ट्रार" बैंक द्वारा निम्न कार्यों के लिए नियुक्त व्यक्ति से अभिप्रेत है :
- i निर्गम से संबंधित को निवेशकों से आवेदन संग्रह करने
 - ii निवेशकों से प्राप्त आवेदनों और धन राशि या प्रतिभूति दिग्गताओं को प्रदत्त राशि का उचित रिकार्ड रखने के लिए

- iii क स्टाक एक्सचेंज से परामर्श कर प्रतिभूतियों के आबंटन का निर्धारण करने
- ख प्रतिभूतियों के आबंटन हेतु अधिकृत व्यक्तियों की सूची को अंतिम रूप देने
- ग निर्गम से संबंधित आबंटन पत्र, धन नापसी आदेश या प्रमाण पत्र तथा अन्य संबंधित प्रलेखों का प्रासेसिंग एवं प्रेषण तथा
- iv बैंक द्वारा समय समय पर सौंपे गये ऐसे अन्य कार्यों में बैंक की सहायता करना ।
- ठ 'योजना' राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्धन और विविध प्रावधान) योजना, 1980 से अभिप्रेत है,
- ड 'शेयर' बैंक की शेयर पूंजी के शेयर से अभिप्रेत है ।
- ण i कोई भी व्यक्ति जो बैंक द्वारा जारी प्रतिभूति धारकों के रिक्वाइर का रख रखाव बैंक की ओर से करता है और उसकी प्रतिभूतियों के अंतरण और प्रतिदान संबंधी सभी कार्यों को संभालता है या
- ii बैंक का कोई विभाग या प्रभाग (चाहे जिस नाम से संबोधित हो), जो उप खंड (i) में वर्णित कार्य करता हो,
- शेयर ट्रांसफर एजेंट माना जाएगा ।
- त अध्याय III में उपयोग किये गये शब्द और अभिव्यक्तियों जिनकी परिभाषा इन विनियमों में नहीं की गयी है, परंतु निक्षेपागार अधिनियम, 1996 (1996 का अधिनियम 22) में परिभाषित की गयी है तो उनका अर्थ कथित अधिनियम में वर्णित अर्थ होगा ।
- ध अन्य प्रयुक्त अभिव्यक्तियाँ, जो इन विनियमों में परिभाषित नहीं हैं परंतु अधिनियम और योजना में प्रयोग की गयी हैं, उनका अर्थ अधिनियम या योजना की अभिव्यक्तियों के समान है ।

अध्याय - II

शेयर और शेयर रजिस्टर

- 3 शेयरों का स्वरूप : अन्धा बैंक के शेयर बल संपत्ति होंगे और इन विनियमों में बताये अनुसार अंतरणीय हैं ।
- 4 शेयर पूंजी के प्रकार :
 - i अधिमान्य शेयर पूंजी का अर्थ अन्धा बैंक की शेयर पूंजी के उस भाग से है, जो निम्नलिखित दोनों शर्तों को पूरा करती है :
 - क लाभांश के संबंध में यह एक निर्धारित राशि या निर्धारित दर पर राशि दिये जाने का अधिमान्य हक रखती है जो या तो निर्बंध या आयकर के अधीन हो सकती है और

- त पूँजी के संबंध में, समापन पूँजी की अदायगी प्रदत्त या प्रदत्त मानी गयी पूँजी राशि के पुनर्भुगतान किये जाने का अधिमान्य हक वहन करता है या करेगा, चाहे निम्नांकित राशि में से किसी एक या दोनों का अधिमान्य अधिकार हो या न हो
- अ समापन की तारीख तक या पूँजी पुनर्भुगतान तक सैंड (क) में उद्धृत राशि के संबंध में अप्रदत्त शेष राशि, और
- आ केन्द्र सरकार के पूर्वानुमोदन से निदेशक मण्डल द्वारा निर्धारित कोई निश्चित प्रीमियम या निर्धारित मानकंड के अनुसार प्रीमियम
- ii 'इंक्विटी शेयर पूँजी' का अर्थ समस्त शेयर पूँजी, जो अधिमान्य शेयर पूँजी नहीं है।
- iii 'अधिमान्य शेयर' और 'इंक्विटी शेयर' अभिव्यक्तियों को तदनुसार अर्थ लगाया जाना है।
- 5 रजिस्टर में प्रविष्ट किये जानेवाले विवरण :
- i अधिनियम की धारा 3 उप धारा 2(ब) के अनुसार एक शेयर रजिस्टर का रखरखाव कर उसे अद्यतन बनाये रखना है।
- ii अधिनियम की धारा 3, उप धारा 2 (ब) में निर्धारित विवरणों के अलावा बोर्ड द्वारा निर्धारित अन्य विवरणों की भी रजिस्टर में प्रविष्टि करना है।
- iii किसी शेयर के संयुक्त शेयर धारकों के मामले में, उनके नाम और उप विनियम (i) के अंतर्गत बांछित अन्य विवरण ऐसे संयुक्त धारकों के प्रथम व्यक्ति के नाम के अंतर्गत क्रम से रखा जाएगा।
- iv अधिनियम की धारा 3, उपधारा 2 (घ) के प्रावधानों के अधीन रहते हुए कोई अनिवासी भारतीय शेयर धारक बैंक को देश में अपना पता दे सकता है और रजिस्टर में उसकी प्रविष्टि की जाएगी। इस अधिनियम और विनियमों के प्रयोजन हेतु रजिस्टर में उस प्रविष्टि को उनका पंजीकृत पता माना जाएगा।
- v किसी भी न्यास के प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष या प्रलक्षित नोटिस की प्रविष्टि रजिस्टर में नहीं की जाएगी न तो बैंक की ओर से प्राप्त नहीं किया जाएगा।
- 6 शेयर और रजिस्ट्रों पर नियंत्रण : इस अधिनियम और विनियमों के प्रावधान और समय समय पर बोर्ड पर जारी किये गये निदेशों के अधीन, रजिस्टर अन्धा बैंक के प्रधान कार्यालय में रखा जाएगा और बोर्ड के अधीन होगा, कोई भी व्यक्ति शेयर धारक के रूप में रजिस्टर किये जाने के लिए पात्र है या नहीं, इस संबंध में बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा।

- 7 पाटेंटों, जो शेयर धारक के रूप में रजिस्टर नहीं की जा सकती हैं :
- i इन विनियमों में अन्यथा उपबंधित न हो, ऐसे सभी व्यक्ति जो संविदा करने के लिए सक्षम नहीं हैं, शेयर धारक के रूप में रजिस्टर कराने के लिए योग्य नहीं हैं, इस विषय में बोर्ड का निर्णय अंतिम और निर्णायक होगा।
 - ii फर्मों के मामले में वैयक्तिक साझेदारों के नाम में शेयर रजिस्टर किये जा सकते हैं अतः कोई भी फर्म शेयर धारक के रूप में रजिस्टर होने का पात्र नहीं है।
- 8 कंप्यूटर सिस्टम आदि में शेयर रजिस्टर का रखरखाव :
- i विनियमन 5 के प्रावधानों के साथ पठित अधिनियम की धारा 3, उप धारा 2 (च) के अंतर्गत जिस विवरण शेयर रजिस्टर में प्रविष्ट किया जाना है, उन्हें अधिनियम की धारा 3, उपधारा 2(छ) के अंतर्गत रखा जाएगा। इन विवरणों का डाटा मैग्नेटिक/ऑप्टिकल/मैग्नेटो ऑप्टिकल माध्यम में डिस्कटो, फ्लोपी/कैट्रिजों पर या अन्यथा स्टोर किया जाएगा (आगे से उन्हें 'मीडिया' संदर्भित किया जाएगा)। इन्हें प्रधान कार्यालय में कंप्यूटरों पर रखा जाएगा और इनके बैकअप अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक या इस के लिए निर्देशित कोई भी अधिकारी, जो महा प्रबंधक से कम नहीं हो, (आगे से 'पदनामित अधिकारी' के रूप में संदर्भित किया जाएगा) के निर्णय के अनुसार किसी भी स्थान पर रखा जाएगा।
 - ii डिपॉजिटरी अधिनियम, 1998 की धारा 11 के साथ पठित अधिनियम की धारा 3 (ख) के अंतर्गत शेयर रजिस्टर में प्रविष्ट किये जानेवाले विवरण का रखरखाव निर्धारित रूप और फार्म में इलेक्ट्रॉनिकी फार्म में रखा जाएगा।
- 9 कंप्यूटर सिस्टम की सुरक्षा के लिए रक्षोपाय :
- i विनियम 8 (1) बताये अनुसार डाटा स्टोर किये गये सिस्टम तक पहुंच केवल कुछ ऐसे व्यक्तियों तक सीमित रहेगी, जिन में निर्गम के रजिस्ट्रार और/या शेयर ट्रान्सफर एजेंट, जो अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या पदनामित प्राधिकारी द्वारा इस आशय हेतु प्राधिकृत किये गये हैं। पासवर्ड यदि हो और इलेक्ट्रॉनिकी सुरक्षा नियंत्रण सिस्टम अतः व्यक्तियों की अभिरक्षा में गोपनीय रखा जाएगा।
 - ii कंप्यूटर सिस्टम द्वारा प्राधिकृत व्यक्तियों की पहुंच लॉग में रिकार्ड की जाएगी और ऐसे लॉग अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक या पदनामित अधिकारी की ओर से पदनामित अधिकारियों/व्यक्तियों के यहां सुरक्षित रखे जाएंगे।
 - iii समय समय पर अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक या पदनामित प्राधिकारी द्वारा निर्धारित अंतरालों में शेयर धारक रजिस्टर में किये गये परिवर्तनों के साथ चल मीडिया पर बैकअप कापी ली जाएगी। कम से कम इन की एक कापी परिसर से भिन्न ऐसे स्थान पर सुरक्षित रखी जाएगी जहां इनका फ्रासेसिंग नहीं होती है। इस कापी को अग्नि निरोधक वातावरण में लॉकिंग सुविधा और वांछित तापमान में रखा जाएगा। दोनों परिसरों में बैकअपों तक की पहुंच अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक या पदनामित अधिकारी द्वारा प्राधिकृत व्यक्तियों तक ही सीमित रखी जाएगी, ऐसे प्राधिकृत व्यक्ति की प्रविष्टियां अपने आवागमन परिरुट में उपलब्ध मैन्युअल रजिस्टर में करेंगे।

- iv प्राधिकृत व्यक्तियों का यह कर्तव्य होगा कि वह बैंकअप का सही पत्र सुनिश्चित करने हेतु उपयुक्त साफ्टवेयर का उपयोग करते हुए बैंकअप डेटा को कंप्यूटर सिस्टम के डाटा से तुलना करें। इस परिचालन का परिणाम इस प्रयोजन हेतु रसे गये रजिस्टर में दर्ज करना है।
- v बढ़ती तकनीकी को ध्यान में रखते हुए और/या आवश्यकता की स्थिति में या अन्य संबद्ध प्रतिफल हेतु अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक के लिए यह उपयुक्त होगा कि वह विशेष या सामान्य आदेश द्वारा कंप्यूटर सिस्टम में शेयर धारक रजिस्टर में अपनाये जाने वाले सुरक्षा उपायों के मानदंडों के अनुदेशों को परिवर्धित करें।

10 संयुक्त धारकों द्वारा अधिकारों का प्रयोग :

यदि किसी भी शेयर में दो या दो से अधिक व्यक्तियों के नाम में हैं, तो रजिस्टर में उल्लिखित प्रथम व्यक्ति शेयर अंतरण को छोड़कर अन्य मामलों में यानी, वोटिंग, डिविडेंड प्राप्त करने नोटिस जारी करने या बैंक के अन्य संबद्ध मामले में, वह एकल स्वामी माना जाएगा।

11 रजिस्टर का निरीक्षण :

- i किसी शेयर धारक द्वारा निरीक्षण हेतु रजिस्टर कार्य स्थान पर व्यापार समय के दौरान निशुल्क रखा जाएगा, निरीक्षण के लिए यह अवधि बोर्ड द्वारा लगायी गयी समुचित सीमाओं के अधीन परंतु किसी भी कार्य दिवस पर न्यूनतम सीमा 2 घंटों से कम नहीं होगी। यह सुविधा विनियम 12 के अंतर्गत रजिस्टर बंद किये जाने पर उपलब्ध नहीं होगी।
- ii कोई भी शेयर धारक रजिस्टर की कोई प्रविष्टि या कंप्यूटर प्रिंट की प्रति निशुल्क प्राप्त कर सकता है, अथवा यदि वह रजिस्टर की प्रतियां कंप्यूटर प्रिंट या उसके अंश को प्राप्त करना चाहता है तो प्रति 100 शब्दों के लिए या उसके अंश के लिए रु 5/-की दर से पूर्व भुगतान करने पर वांछित प्रतियां उन्हें प्रदान की जाएगी।
- iii उप विनियम (ii) में किसी बात के होते हुए भी सरकार द्वारा विधिवत् प्राधिकृत कोई भी अधिकारी को रजिस्टर में की गयी किसी भी प्रविष्टि की कापी लेने का अधिकार होगा या रजिस्टर की या उसके किसी भी अंश की कापी उसे प्रस्तुत की जाएगी।

12 रजिस्टर को बंद करना :

बैंक भारत में परिचालित कम से कम दो समाचार पत्रों में विज्ञापन द्वारा 7 दिनों की पूर्व सूचना देते हुए किसी भी अवधि के लिए परंतु वर्ष में कुल मिलाकर 45 दिनों की अवधि के लिए और प्रत्येक बार 30 दिनों की अधिकतम सीमा तक जैसा भी उचित समझे, शेयर धारक रजिस्टर बंद कर सकता है।

13 शेयर प्रमाण पत्र :

- i प्रत्येक शेयर प्रमाण पत्र में प्रमाण पत्र संख्या विशिष्ट संख्या, कुल शेयरों की संख्या जिसके लिए वह जारी किया गया है, और उस शेयर धारक के नाम जिसके प्रति वह जारी किया गया है -आदि विवरण होंगे। यह प्रमाण पत्र बोर्ड द्वारा निर्धारित फार्म में होगा।

- ii) प्रत्येक शेयर प्रमाण पत्र बोर्ड संकल्प के अनुसरण में बैंक की सामान्य मुहर के साथ जारी किया जाएगा तथा दो निर्देशक और बोर्ड द्वारा इस प्रयोजन हेतु निर्धारित अन्य अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा।
यह भी प्रावधान है कि बोर्ड द्वारा निर्देशित अनुसार निवेशकों के हस्ताक्षर मुद्रित, उत्कीर्णित, लिथोग्राफित, अंकित या अन्य प्रकार की यांत्रिकी सुविधा से की जा सकती है।
- iii) इस प्रकार मुद्रित, उत्कीर्णित, लिथोग्राफित या अन्य तरीके से अंकित हस्ताक्षर हस्ताक्षरित्री द्वारा स्वयं हस्तलिखित हस्ताक्षर के समान वैध होंगे।
- iv) इस प्रकार से शेयर प्रमाण पत्र जब तक हस्ताक्षरित नहीं होता तब तक वह वैध नहीं होगा। जारी करने से पहले शेयर प्रमाण पत्र पर यदि किसी व्यक्ति के हस्ताक्षर पहले से ही अंकित हो, बाद में उस व्यक्ति को बैंक की ओर से प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने का अधिकार नहीं रहता है, तब भी प्रमाण पत्र वैध माना जाएगा।
- v) इस प्रकार उप संड (ii) में बताये अनुसार जारी किये गये प्रमाण पत्र पर प्राधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर होता है और उस व्यक्ति की मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने से होती है, तो बैंक अधिक उपयुक्त तरीका अपनाकर प्रमाण पत्र पर उस व्यक्ति के हस्ताक्षर को निरस्त कर सकता है और अन्य किसी प्राधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर अंकित करवाता है। इस प्रकार जारी किया गया शेयर प्रमाण पत्र वैध होगा।

14 शेयर प्रमाण पत्रों को जारी करना :

- i) किसी शेयर धारक को शेयर प्रमाण पत्र जारी करते समय प्रति 100 शेयर या उसके गुणकों के लिए उनके नाम पर एक प्रमाण पत्र परंतु उनसे अधिक लेकिन 100 से कम शेयरों के लिए एक अतिरिक्त शेयर प्रमाण पत्र रजिस्टर करना बोर्ड के लिए उपयुक्त होगा।
- ii) यदि रजिस्टर किये जाने वाले शेयरों की संख्या 100 से कम है तो सभी शेयरों के लिए एक प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।
- iii) यदि एक या अनेक शेयर एक से अधिक व्यक्तियों द्वारा संयुक्त रूप से रखे जाते हैं, बैंक एक से अधिक प्रमाण पत्र जारी करने के लिए बाध्य नहीं है। संयुक्त धारकों में किसी एक व्यक्ति को शेयर के प्रति प्रमाण पत्र का वितरण सभी ऐसे धारकों के लिए पर्याप्त वितरण माना जाएगा।

15 शेयर प्रमाण पत्रों का नवीकरण :

- i) यदि शेयर प्रमाण पत्र फटा-पुराना या विरूपित होता है बोर्ड या उसके द्वारा पद्धनामित समिति, ऐसे प्रमाण पत्र की प्रस्तुति पर उसे निरस्त करने तथा उसके स्थान पर नया प्रमाण पत्र जारी करने का आदेश दे सकता है।
- ii) यदि किसी प्रमाण पत्र के गुम होने या नष्ट की सूचना मिलती है तो बोर्ड या उसके द्वारा पद्धनामित समिति, बोर्ड द्वारा निर्णय की गयी प्रतिभू सहित या प्रतिभू रहित क्षतिपूर्ति दिये जाने पर तथा सूचना दो समाचार पत्रों में प्रकाशित किये जाने पर और उसकी लागत, व्यय और प्रभार अन्धा बैंक को अदा किये जाने पर खोये हुए या विरूपित प्रमाण पत्र के हकदार को उस प्रमाण पत्र के स्थान पर दूसरा प्रमाण पत्र दिया जा सकता है।

16. शेयरों का समेकन और उप विभाजन :

शेयरधारक (कों) द्वारा लिखित आवेदन करने पर बोर्ड या इसके द्वारा पदनामित समिति समेकन/उप विभाजन कर सकती है, मामला जो भी हो और इस पर होने वाले व्यय, प्रभारों और इससे संबंधित अन्य आकस्मिक व्यय को बैंक को भुगतान करने पर उनके स्थान पर नया प्रमाण पत्र जारी कर सकती है।

17. शेयरों का अंतरण :

- i) बैंक के शेयरों का प्रत्येक अंतरण इसके साथ संलग्न फार्म 'ए' में या समय समय पर बैंक द्वारा अनुमोदित अन्य किसी प्रकार के फार्म में अंतरण लिखत द्वारा किया जायेगा और संबद्ध शेयर प्रमाण पत्र के साथ उस पर विधिवत स्टांपित, दिनांकित और अंतरणकर्ता और अंतरिती या उसकी ओर से निष्पादित होगा।
- ii) शेयर प्रमाण पत्र के साथ अंतरण लिखत बैंक के प्रधान कार्यालय में प्रस्तुत किया जायेगा और अंतरणकर्ता जबतक ऐसे शेयरों में धारक के रूप में समझा जायेगा जबतक कि उससे संबंधित शेयर रजिस्ट्रार में अंतरिती के नाम की प्रविष्टि नहीं की जाती है।
- iii) शेयर प्रमाण पत्र के साथ बैंक द्वारा अंतरण लिखत और अंतरण को रजिस्ट्रार कराने के अनुरोध को प्राप्त करने के बाद बोर्ड या बोर्ड द्वारा पदनामित समिति शेयर प्रमाण पत्र के साथ उक्त अंतरण लिखत को रजिस्ट्रार या शेयर अंतरण एजेंट के पास सत्यापन के लिए भेजेगी कि तकनीकी अपेक्षाओं का अनुपालन उनकी संपूर्णता में किया जाता है। रजिस्ट्रार या शेयर अंतरण एजेंट उस शेयर प्रमाण पत्र के साथ अंतरण लिखत को वापस भेजकर पुनः अंतरिती को पुनःप्रस्तुतीकरण के लिए कहेगा जबतक -
 - का) अंतरण लिखत विधिवत स्टांपित और रजिस्ट्रेशन के लिए उपयुक्त रूप से निष्पादित रूप में प्रस्तुत नहीं किया जाता है और उसके साथ शेयर प्रमाण पत्र नहीं लगा रहता है जिससे यह संबद्ध है या वैसा कोई साक्ष्य जिसे बोर्ड ऐसे अंतरण के लिए अंतरणकर्ता के हक को दर्शाने के लिए अपेक्षित समझता है।
 - ख) रजिस्ट्रार संतुष्ट है कि अंतरिती अंतरण लिखत द्वारा प्रतिपादित शेयरों के संबंध में बैंक के शेयरधारकों के रूप में रजिस्ट्रार किये जाने योग्य है।
- iv) बोर्ड या बोर्ड द्वारा पदनामित समिति अंतरण को रजिस्ट्रार किये जाने का कारक बनेगी जबतक कि विनियम 19 तहत अंतरण के पंजीकरण को अस्वीकृत नहीं किया जाता है।

18) अंतरणों को निर्लंबित रखने का अधिकार :

बोर्ड या बोर्ड द्वारा पदनामित समिति उस अवधि के दौरान किसी प्रकार के अंतरण को रजिस्ट्रार नहीं कहेगा जब रजिस्ट्रार बंद रहता है।

19) शेयरों के अंतरण रजिस्ट्रेशन को अस्वीकार करने से संबंधित बोर्ड को अधिकार :

ii) बोर्ड निम्नोक्त में से किसी एक या अधिक या बिना किसी आधार पर अंतरिती के नाम में से किसी भी शेयर को अंतरण करने के लिए अस्वीकार कर सकता है ।

क) शेयरों का अंतरण अधिनियम या विनियम के प्रावधानों के विपरीत है या अन्य किसी नियम, जो नियम तहत है ऐसे अंतरण के रजिस्ट्रेशन से संबंधित नियम के लिए अपेक्षित हो और उसका अनुपालन नहीं किया गया है ।

ख) बोर्ड की राय में शेयरों का अंतरण बैंक के हित या सार्वजनिक हितों के प्रतिकूल है

ग) शेयरों का अंतरण अदालत, ट्रिब्यूनल या उस समय प्रचलित किसी नियम तहत अन्य किसी प्राधिकारी द्वारा निषिद्ध है ।

घ) भारत के बाहर के व्यक्ति या कम्पनी या ऐसी कोई कम्पनी, जो किसी नियम तहत निगमित है और भारत में प्रचलन में नहीं है या ऐसी कंपनी की कोई शाखा जो भारत के बाहर स्थित हो या नहीं, जो अंतरण पर होगा और जिसे रखने या अधिग्रहीत करने की अनुमति दी गयी है, उसके परिणामस्वरूप बैंक के शेयरों और ऐसे निवेश में उनकी राशि प्रदत्त पूँजी के 20% से अधिक होने पर या केंद्र सरकार द्वारा सरकारी गजट में अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट ।

फिर भी ऊपर के उप विनियम (i) (ग) में वर्णित अस्वीकार के अधिकारों का उपयोग बोर्ड की ओर से बोर्ड द्वारा पदनामित समिति द्वारा किया जा सकता है ।

iii) बोर्ड बैंक के शेयरों के अंतरण लिखत को रजिस्ट्रेशन के उद्देश्य से प्रस्तुत करने के बाद ऐसे अंतरण का रजिस्ट्रेशन किया जाए या नहीं, इस संबंध में अपनी राय उप विनियम (i) में संदर्भित किसी भी आधार पर जाहिर करेगा ।

क) यदि यह राय व्यक्त की गयी है कि ऐसे रजिस्ट्रेशन को इस प्रकार अस्वीकार किया जाना चाहिए जो ऐसे रजिस्ट्रेशन को प्रभावित करता है, और

ख) यदि यह राय व्यक्त की गयी है कि ऐसे रजिस्ट्रेशन को उप विनियम (i) में वर्णित किसी भी आधार पर अस्वीकार किया जाना है तो अंतरण फार्म की प्राप्ति से 60 दिन के अंदर अंतरणकर्ता और अंतरिती को लिखित रूप में नोटिस भेजकर सूचित करें।

20) निधन, दिवालिया आदि स्थिति में शेयर का हस्तांतरण :

i) मृत शेयरधारक के शेयर के मामले में निष्पादक या प्रशासक या वसीयत सहित या वसीयत के बिना संलग्न लेटर ऑफ प्रोबेट या लेटर ऑफ एड्मिनिस्ट्रेशन या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 भाग 10 के तहत जारी उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के धारक या विधिक प्रतिनिधित्व धारक या व्यक्ति, जिनके नाम में मृतक द्वारा अपने जीवन काल में वैध अंतरण लिखत का निष्पादन किया गया, वही व्यक्ति, जो आन्धा बैंक द्वारा पहचाने जा सकते हैं ऐसे शेयरों के हक का अधिकार रखेगा ।

ii) दो या अधिक शेयरधारकों के नाम शेयर रजिस्टर होने के मामले में उत्तरजीवी या उत्तरजीवियों और अंतिम उत्तरजीवी के निधन पर उसके निष्पादक या प्रशासक या वसीयत के बिना अन्य व्यक्ति, जो लेटर ऑफ प्रोबेट या लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन या उत्तराधिकार प्रमाणपत्र या शेयर में ऐसे उत्तरजीवी के स्वार्थ के संबंध में अन्य विधिक प्रतिनिधित्व या व्यक्ति जिनके नाम में ऐसे व्यक्ति और उत्तरवर्ती के जीवनकाल के अंतिम उत्तरजीवी द्वारा वैध शेयर अंतरण लिखित निष्पादित किया गया है, वही व्यक्ति, जो आन्धा बैंक द्वारा पहचाने जा सकते हैं ऐसे शेयर के हक का अधिकार रखेगा।

iii) आन्धा बैंक ऐसे निष्पादक या प्रशासक को तबतक पहचानने के लिए बाध्य नहीं होगा जबतक कि उन्होंने लेटर ऑफ प्रोबेट या लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन या उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, जो भी मामला हो, सक्षम क्षेत्र की अदालत से प्राप्त नहीं किया हो।

फिर भी यदि बोर्ड अपने विवेकाधिकार तहत उसे उपयुक्त सोचता है तो बोर्ड के लिए यह विधियुक्त होगा कि लेटर ऑफ प्रोबेट या लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन या उत्तराधिकार प्रमाणपत्र या अन्य ऐसे विधिक प्रतिनिधित्व की प्रस्तुति की मांग नहीं करेगा जो क्षतिपूर्ति या अन्य की शर्त है, जैसा वह उपयुक्त समझता है।

iv) शेयरधारक के निधन के परिणामस्वरूप शेयर के हकदार बनने वाले ऐसे व्यक्ति और दिवाला के परिणामस्वरूप शेयर के हकदार कोई व्यक्ति या शेयरों को बेचने पर, हकदार बनने हेतु बोर्ड द्वारा अपेक्षित साक्ष्य के प्रस्तुतीकरण पर बोर्ड को अधिकार होगा।

क) ऐसे शेयर के मामले में शेयरधारक के रूप में रजिस्टर करने।

ख) ऐसे शेयर को अंतरण करने, क्योंकि जिस व्यक्ति से उसने हक प्राप्त किया, उसने ऐसा किया है।

21) रजिस्ट्रेशन के लिए उपयुक्त होने पर शेयरधारक को समाप्त करने का अधिकार

शेयरधारक के रूप में पंजीकृत किसी भी व्यक्ति, चाहे वह पृथक या अन्य के साथ संयुक्त हो, की यह झूटी होगी की वह इस संबंध में किसी भी शेयर के मामले में निदेशक मंडल को उसकी सूचना देकर ऐसे रजिस्टर्ड कराये जाने योग्य शेयर को समाप्त कर सकता है।

22) शेयरों का कॉल : बोर्ड समय समय पर शेयरधारकों द्वारा धारित शेयरों पर अदत्त सभी शेष राशि के मामले में शेयरधारकों से वैसे कॉल कर सकता है जिसे वह उपयुक्त समझता हो, जो आबंटन की शर्तों तहत निर्धारित समय पर देय नहीं बनाया गया है और प्रत्येक शेयरधारक बोर्ड की प्रत्येक कॉल पर रकम अदा करेगा जिसकी मांग की गयी है। कॉल किस्तों में देय हो सकता है।

23) संकल्प की तारीख से कॉल : जब बोर्ड ऐसा कॉल पास करता है और उसी तारीख को शेयरधारकों द्वारा रजिस्टर पर भुगतान किया जाना है या बोर्ड द्वारा अदा करने की निर्धारित कोई अनुवर्ती तारीख है तो वैसे कॉल उसी समय से किया गया, ऐसा माना जायेगा।

- 24) कॉल नोटिस : प्रत्येक कॉल के लिए 30 दिन से कम की नोटिस नहीं दी जायेगी और भुगतान का समय बताया जायेगा बशर्ते कि ऐसे कॉल के भुगतान हेतु समय पूर्व बोर्ड शेयरधारकों को लिखित नोटिस भेजकर उसे प्रतिसंहरण कर सकता है।
- 25) कॉल के भुगतान के लिए समय में वृद्धि : बोर्ड समय समय पर अपने विवेकानुसार किसी भी कॉल को सभी या उनके निवास स्थान की दूरी या अन्य पर्याप्त कारणों को ध्यान में रखते हुए किसी भी शेयरधारकों को भुगतान के लिए निर्धारित समय में वृद्धि कर सकता है परंतु कोई भी शेयरधारक ऐसी वृद्धि के लिए हकदार नहीं होगा।
- 26) संयुक्त धारकों की देयताएँ : शेयर के संयुक्त धारक संयुक्त रूप से या पृथक रूप से उनसे संबंधित सभी कॉलों को अदा करने के लिए दायी होंगे।
- 27) निर्धारित समय पर देय रकम या कॉल करने पर किस्तों द्वारा : यदि किसी शेयर के निर्गम की शर्तों के अनुसार या अन्य प्रकार से कोई रकम किसी निर्धारित समय या निर्धारित समय में किस्तों द्वारा देय होता है, तो प्रत्येक ऐसी रकम या किस्त देय होगी मानो कि यह बोर्ड द्वारा विधिवत नोटिस दी गयी है और कॉलों से संबंधित इसमें वर्णित सभी प्रावधान तदनुसार ऐसी रकम या किस्त से संबद्ध होंगे।
- 28) जब कॉल पर ब्याज या किस्त देय हो : यदि किसी कॉल या किस्त से संबंधित देय राशि, भुगतान के लिए निर्धारित तारीख या उसके पूर्व भुगतान नहीं किया जाता है तो शेयरधारक या शेयर के आबंटिती को भुगतान के लिए किये गये कॉल से संबद्ध या देय किस्तों का भुगतान समय पर न करने पर निर्धारित समय से अधिक अवाधि के लिए बोर्ड द्वारा समय समय पर निर्धारित दर से राशि के लिए भुगतान की निर्धारित तारीख से वास्तविक भुगतान की अवाधि तक का ब्याज अदा करना होगा परंतु बोर्ड अपने विवेकानुसार उस ब्याज के भुगतान में पूर्णतः या अंशतः सूट दे सकता है।
- 29) शेयरधारकों द्वारा कॉलों का भुगतान न किया जाना : कोई भी शेयरधारक किसी प्रकार का लाभांश प्राप्त करने या शेयरधारक के किसी प्रकार के अधिकार को प्रयोग करने का हकदार नहीं होगा जबतक कि उनके पास धारित प्रत्येक शेयर पर उस समय तक देय सभी कॉलों का भुगतान उस पर देय ब्याज और व्यय, जो उन पर लगाये गये हों, नहीं कर देते हैं या वे शेयर पृथक या किसी व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप में हो।
- 30) कॉल या किस्त का भुगतान न करने पर नोटिस : यदि कोई शेयरधारक किसी कॉल की पूर्ण या आंशिक राशि या किस्त या मूलधन या ब्याज के रूप में किसी शेयरों के संबंध में किसी प्रकार की देय राशि का भुगतान निर्दिष्ट तारीख या उसके पूर्व करने में असफल रहता है तो उस अवाधि के बाद आन्धा बैंक उस समय के दौरान शेयरधारक या व्यक्ति, (यदि कोई हो) जो हस्तांतरण द्वारा शेयर के हकदार हैं, को ऐसे कॉल या किस्त या उसके किसी भाग या अद्वन्त अन्य किसी प्रकार की राशि या उससे संबंधित निर्णय या डिफ्री जो पूर्णतः या अंशतः असंतुष्ट रहा है, को ब्याज सहित, जो उस पर उपचित किये गये हैं और सभी प्रकार के व्यय (कानूनी और अन्य प्रकार के व्यय), जो ऐसे गैर भुगतान के कारण आन्धा बैंक द्वारा अदा किया गया है या व्यय किया गया है, भुगतान करने के लिए नोटिस भेज सकता है।

- 31) जब्ती नोटिस : जब्ती नोटिस नामित दिन से प्रभावी होगी जो नोटिस की तारीख से 14 दिन से कम नहीं होगी और उस स्थान या स्थानों पर जहाँ ऐसे कॉल या किस्त या उसके भाग या अन्य राशि या वैसे ब्याज या व्यय, जो ऊपर कहा गया है, का भुगतान किया जाना है। नोटिस में यह भी इंगित रहेगा कि समय पर या उसके पूर्व और निर्दिष्ट स्थान पर भुगतान न किये जाने के मामले में शेयर जब्ती योग्य होगा जिसके लिए कॉल किया गया है या किस्त देय है।
- 32) बूक करने पर शेयरों को जब्त किया जाना : यदि ऊपर दी गयी नोटिस की अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं किया जाता है, वैसे शेयर, जिसके लिए नोटिस भेजी गयी हैं, नोटिस भेजने के बाद किसी भी समय सभी कॉलों या किस्तों, ब्याज और व्यय या उससे संबंधित देय रकम के भुगतान न करने पर बोर्ड उस आशय का एक संकल्प पास कर उसे जब्त कर सकता है।
- 33) रजिस्टर में जब्ती की प्रविष्टि : जब विनियम 32 तहत किसी शेयर की जब्ती की जाती है तो उस जब्ती की प्रविष्टि रजिस्टर में जब्ती की तारीख सहित की जानी चाहिए।
- 34) जब्त शेयर आन्धा बैंक की संपत्ति होगी और उसे बेचा जा सकता है : इस प्रकार के जब्त शेयर आन्धा बैंक की संपत्ति समझी जायेगी और बोर्ड उसे अपने निर्णय अनुसार बेच सकता है, पुनः आवंटित कर सकता है या किसी व्यक्ति के पास अन्य प्रकार से निपटा सकता है।
35. जब्ती को रद्द करने का अधिकार - बोर्ड विनियम 32 तहत जब्त किये गये किसी शेयर को बेचने, पुनः आवंटन करने या अन्य प्रकार से निपटाने के पूर्व उन शर्तों पर जब्ती रद्द कर सकता है, जैसा कि वह उपयुक्त समझता है।
36. शेयरधारक जब्ती के समय देनदार राशि और ब्याज का भुगतान करने के लिए दायी :
शेयरधारक, जिनका शेयर जब्त किया गया है, जब्ती के होने पर भी सभी कॉलों, किस्तों, ब्याज, व्यय और ऐसे शेयरों के संबंध में या उन पर देनदार अन्य राशि एवं जब्ती के समय तक समय समय पर लगाये गये ब्याज सहित अदा करने के लिए तबतक दायी होगा जबतक कि बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट की जानेवाली दर और बोर्ड पूरी रकम या उसके भाग के भुगतान के लिए बाध्य नहीं करता है।
37. अंशिक भुगतान जब्ती में प्रतिबाधित नहीं :
कॉलों और किसी शेयरों के मामले में देय अन्य राशि के लिए आन्धा बैंक के पक्ष में दिये गये निर्णय या डिक्री, न तो इसके तहत किये गये किसी प्रकार का भुगतान या समाधान, या आन्धा बैंक द्वारा राशि के कुछ भाग की प्राप्ति रसीद जो किसी शेयर के मामले में चाहे मूलधन या ब्याज के रूप में किसी भी शेयरधारक से समय-समय पर देय होगा न तो किसी राशि के भुगतान के संबंध में आन्धा बैंक द्वारा मंजूर भुगतान की तिथि में वृद्धि इस विनियमों तहत ऐसे शेयरों की जब्ती में प्रतिबाधक बनेंगे।

38. शेयरों की जबती बैंक के प्रति सभी प्रकार के दावों को समाप्त कर देती है :

शेयर की जबती में जबती के समय शेयर के मामले में उस पर सभी ब्याज और सभी दावे और बैंक के विरुद्ध मांग और शेयर से सम्बद्ध अन्य सभी अधिकार, समाप्त हो जायेंगे, सिवा के सभी अधिकार जिनका लिखित रूप में छूट प्राप्त है ।

39. जबती शेयर की बिक्री, पुनः निर्गम, पुनःआबंटन और निपटान पर मूल शेयर बातिल और शून्य होगा :

पूर्ववर्ती विनियमों के प्रावधानों तहत किसी प्रकार की बिक्री, पुनः निर्गम, पुनः आबंटन या अन्य प्रकार से निपटान पर सम्बद्ध शेयरों के मामले में मूल रूप में जारी प्रमाणपत्र (त्रों) निरस्त होंगे (यदि बैंक द्वारा मांग किये जाने पर उसे अधिकृत सदस्य द्वारा पहले सुपुर्द नहीं किया गया है) और बातिल और शून्य होंगे और उसका प्रभाव नहीं होगा, बोर्ड को उन कथित शेयरों के मामले में उसके लिए अधिकृत व्यक्ति या व्यक्तियों को नया प्रमाणपत्र जारी करने का अधिकार होगा ।

40. जबती प्रावधानों को लागू करना :

जबती से संबंधित उन विनियमों के प्रावधान किसी भी संबंधित इन विनियमों के प्रावधान किसी भी राशि के गैर भुगतान के मामले में लागू होंगे चाहे वह शेयर के जारी करने पर निर्धारित समय पर देय होता है, चाहे शेयरों के सामान्य मूल्य के कारण या प्रीमियम के रूप में मानो वह कॉल किये जाने के कारण देय हो गया था ।

41. शेयरों पर लियन :

1. बैंक का पहला एवं सर्वोपरि लियन होगा -

क. उस शेयर के प्रत्येक शेयर पर (जो कि पूर्ण प्रदत्त नहीं है), कॉल किये गये सभी राशियों के लिए (चाहे वर्तमान में देय हो या नहीं) या निर्दिष्ट समय पर देय,

ख. ऐसे सभी शेयर (जो पूर्ण प्रदत्त शेयर नहीं है) जो एक व्यक्ति के नाम में पंजीकृत हैं वैसे सभी राशियाँ जो वर्तमान में उसके या उसकी संपत्ति द्वारा बैंक को देय है ।

ग. उन सभी शेयरों पर, जो प्रत्येक व्यक्ति के नाम में (चाहे पृथक या अन्य के साथ संयुक्त हो) और इसके ऋण के लिए बिक्री आय से प्राप्त राशि पर, देयताओं और ऋणों (करारों) पृथक या अन्य के साथ संयुक्त या बैंक के साथ, चाहे वह अदायगी की अवधि, सम्पादन, या उसके निर्वाह, का वस्तुतः परिकलन किया गया हो या नहीं और इसके लियन पर बैंक द्वारा किसी भी शेयर में किसी प्रकार की साम्यिक हित की मान्यता नहीं दी जायेगी ।

बशर्ते कि निदेशक मंडल किसी भी समय इस खण्ड के प्रावधान से किसी भी शेयर को पूर्णतः या अंशतः छूट की घोषणा कर सकता है ।

ii किसी शेयर पर बैंक का गृहणाधिकार, यदि कोई हो तो, उस पर देय सभी लाभोर्षों पर लागू होगा ।

42. शेयर की बिक्री द्वारा गृहणाधिकार लागू करना :

i). बैंक, उस रीति से, जैसाकि मण्डल उचित समझता हो, किसी शेयर को, जिस पर कंपनी का गृहणाधिकार है, बिक्री कर सकता है ।

क. यदि राशि, जिसके मामले में विद्यमान गृहणाधिकार वर्तमान में देय है, और

ख. शेयर के वर्तमान पंजीकृत धारक को या उसकी मृत्यु या दिवाला होने के कारण हकदार होनेवाले व्यक्ति को लिखित रूप में इस आशय का एक नोटिस जिसमें यह राशि जिसके लिए गृहणाधिकार विद्यमान हो, जो वर्तमान में देय है, का उल्लेख हो और उसके भुगतान की मांग की जाती हो, जारी करके चौदह दिन की समाप्ति होने के बाद

iii). ऐसी किसी बिक्री को प्रभावी बनाने के लिए, बोर्ड शेयर के क्रेता को खेदे गये शेयरों का अन्तरण करने के लिए किसी अधिकारी को प्राधिकृत करेगा ।

43. शेयरों की बिक्री - राशि का उपयोग :

विनियम 42 के अन्तर्गत शेयरों की बिक्री की शुद्ध राशि का उपयोग, ऐसी बिक्री की लागत को कम करने के बाद, ऋण या देयता, जिसके मामले में विद्यमान गृहणाधिकार, जो वर्तमान में देय है, को क्षतिपूर्ति के लिए करना चाहिए और शेष राशि, यदि हो तो, का भुगतान शेयरधारक या उस व्यक्ति को, यदि कोई हो तो, जो इस प्रकार बिक्री किये गये शेयरों के हस्तांतरण द्वारा हकदार हो गया है, करना चाहिए ।

44. जन्ती का प्रमाणपत्र :

किसी निदेशक या आन्धा बैंक के विधिवत् प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी से लिखित रूप में प्रमाणपत्र, इस आशय का कि बोर्ड के संकल्प द्वारा शेयर के सम्बन्ध में बिक्री और जन्ती पर निर्णय लिया गया, ऐसे शेयरों पर हकदार सभी व्यक्तियों के विरुद्ध, उसमें उल्लिखित तथ्य का निर्णायक प्रमाण होगा ।

45. जन्त शेयर के क्रेता और आर्बिटरी का स्वत्वाधिकार :

आन्धा बैंक, शेयर की बिक्री, पुनराबंटन या उसके अन्य निपटान का प्रतिफल, यदि कुछ हो तो, प्राप्त करेगा और वह व्यक्ति जिसको ऐसा शेयर बेचा गया, पुनराबंटित किया गया या निपटान किया गया, शेयर के धारक के रूप में पंजीकृत किया जाएगा और वह प्रतिफल के उपयोग के अवलोकन के लिए बाध्य नहीं होगा और न ही शेयर पर उसका स्वत्वाधिकार, शेयर की जन्ती, बिक्री, पुनराबंटन या अन्य निपटान के संदर्भ में कार्यवाही में किसी अनियमितता या अवैधता द्वारा प्रभावित होगा और बिक्री द्वारा होनेवाली क्षति सिर्फ क्षति तक सीमित होगी न कि आन्धा बैंक की हानि पर ।

46. शेयरधारकों को नोटिस या प्रलेख जारी करना :

i. बैंक नोटिस या प्रलेख किसी शेयर धारक को व्यक्तिगत रूप से या उसके पंजीकृत पते पर, या यदि उसका भारत में कोई पंजीकृत पता नहीं हो तो, उसके द्वारा, नोटिस देने के लिए उसके द्वारा दिये गये भारत के किसी पते पर साधारण डाक द्वारा जारी करेगा ।

- ii. जहाँ कोई प्रलेख या नोटिस डाक द्वारा भेजा जाता है, ऐसे प्रलेख या नोटिस जारी करने को प्रलेख तथा नोटिस वाले पत्र उचित प्रकार से पता लिखकर, पूर्वभुगतान कर और डाक में भेजा गया समझा जायेगा ।

बशर्ते कि जहाँ शेयरधारक ने बैंक को अग्रिम रूप से सूचित किया है कि प्रलेख उसे डाक प्रमाणपत्र के अन्तर्गत या रसीदी पंजीकृत डाक से या बिना रसीदी के, भेजना चाहिए और उसने ऐसा करने के लिए आवश्यक व्यय की राशि बैंक में जमा की है, शेयरधारक द्वारा सूचित प्रकार से न भेजने पर प्रलेख या नोटिस जारी करने को प्रभावी नहीं समझा जाएगा और किसी बैठक के नोटिस के मामले में, उससे संबंधित पत्र डाक में भेजने के अड़तालीस घंटे की समाप्ति पर यह माना जाएगा कि ऐसा किया गया है और किसी अन्य मामले में, उस समय तक, जब उस पत्र की सामान्यतः डेलीवरी होती हो ।

- iii. भारत में अधिक प्रचारवाले किसी अखबार में विज्ञापित नोटिस या प्रलेख, बैंक के प्रत्येक शेयर धारक के नाम, जिसका भारत में कोई पंजीकृत पता नहीं हो और नोटिस देने के लिए भारत के अन्दर उसने कोई पता नहीं दिया हो, जिस तारीख को विज्ञापन प्रकाशित किया जाता है, उस तारीख को वह जारी किया गया समझा जायेगा ।

- iv. बैंक द्वारा नोटिस या प्रलेख शेयर के संयुक्त धारक को, शेयर के संबंध में रजिस्टर में प्रथम उल्लिखित संयुक्त धारक के नाम द्वारा जारी किया जाएगा और इस प्रकार दी गयी नोटिस, उक्त शेयरों के सभी धारकों के लिए पर्याप्त नोटिस होगी ।

- v. शेयरधारक के निधन या दिवाला होने के फल स्वरूप हकदार होनेवाले व्यक्ति/व्यक्तियों के नाम नोटिस या प्रलेख उनके पास उपलब्ध पूर्व प्रदत्त पत्र, जो उनके नाम से संबोधित है, भेजे जा सकते हैं चाहे वह मृतक के प्रतिनिधि के द्वारा या दिवालिया के समनुदेशिनी या अन्य इस प्रकार के विवरण से हकदार है और

ऐसा कोई पता, जो व्यक्तियों द्वारा इस उद्देश्य के लिए दिया गया है और ऐसे हक या दावा करता है या जब तक ऐसा कोई पता नहीं दिया जाता है, तो किसी भी प्रकार से प्रलेख भेजा जा सकता है और यह माना जाएगा कि शेयरधारक का निधन नहीं हुआ है या दिवाला नहीं हुआ है ।

- vi. अन्ध बैंक द्वारा दी गयी किसी भी नोटिस पर हस्ताक्षर लिखित या मुद्रित हो सकता है ।

अध्याय III

बैंक की प्रतिभूतियाँ जो निक्षेपागार में रखी गई हैं

47. निक्षेपागार और बैंक के बीच करार :

बैंक द्वारा जारी प्रतिभूतियों के संबंध में, बैंक एक या अधिक निक्षेपागार से, उसकी सेवाएँ प्राप्त करने के लिए करार निष्पादित कर सकता है।

48. सहभागी और निक्षेपागार के बीच करार :

i. कोई सहभागी, निक्षेपागार से अपने एजेंट के रूप में कार्य करने हेतु करार निष्पादित करेगा। निक्षेपागार, जिसके साथ करार निष्पादित किया जाएगा, वह होगा कि बैंकने उनकी सेवाएँ, विनियम 47 के अन्तर्गत प्राप्त करने के लिए सहमति दी है।

ii. बैंक का कोई शेयरधारक सहभागी के माध्यम से निक्षेपागार से, ऐसे निक्षेपागार द्वारा, बैंक द्वारा जारी प्रतिभूतियों के मामले में उसकी सेवाएँ प्राप्त करने के लिए विनिर्दिष्ट प्रकार से करार निष्पादित करेगा।

49. प्रतिभूति प्रमाणपत्र का अभ्यर्पण :

i. कोई शेयरधारक या बैंक की किसी प्रतिभूति का धारक, जिसने उपर्युक्त विनियम 48 के अन्तर्गत करार निष्पादित किया हो, वह प्रतिभूति का प्रमाणपत्र अभ्यर्पण करेगा, जिसके मामले में वह बैंक को निक्षेपागार की सेवा प्राप्त करना चाहता है।

ii. बैंक, उपर्युक्त उप विनियम (i) के अन्तर्गत प्रतिभूति प्रमाणपत्र की प्राप्ति पर, प्रतिभूति प्रमाणपत्र को रद्द करेगा और अपने रिकार्ड में निक्षेपागार के नाम को, उस प्रतिभूति के मामले में पंजीकृत स्वामी के रूप में दर्ज करेगा और निक्षेपागार को तदनुसार सूचित करेगा।

iii. निक्षेपागार, उपर्युक्त उपविनियम (ii) के अन्तर्गत सूचना की प्राप्ति पर, उपर्युक्त उप-विनियम (i) में संदर्भित व्यक्ति का नाम अपने रिकार्ड में हितकारी स्वामी के रूप में प्रविष्टि करेगा।

50. निक्षेपागार के यहाँ प्रतिभूति अंतरण का पंजीकरण :

प्रत्येक निक्षेपागार, अंतरण करने हेतु बैंक से सूचना प्राप्त करने पर, अंतरिती के नाम में प्रतिभूतियों के अंतरण को रजिस्टर करेगा।

51. प्रतिभूति प्रमाणपत्र प्राप्त करने या निक्षेपागार के पास रखी गयी प्रतिभूति को धारण करने का विकल्प :

i. बैंक द्वारा प्रस्तुत प्रतिभूतियों का अभिदान करनेवाले प्रत्येक व्यक्ति को, प्रतिभूति प्रमाणपत्र प्राप्त करने या निक्षेपागार के पास प्रतिभूति रखने का विकल्प होगा।

ii. जब कोई व्यक्ति, निक्षेपागार के पास प्रतिभूति रखने का विकल्प अपनाता है, बैंक ऐसे निक्षेपागार को प्रतिभूतियों के आबंटन का विवरण सूचित करेगा और ऐसी सूचना प्राप्त करने पर, निक्षेपागार अपने रजिस्टर में आबंटिती के नाम को

52. निक्षेपागार में प्रतिभूतियाँ समरूप प्रतिभूतियों के रूप में होनी चाहिए ।

निक्षेपागार में होनेवाली सभी प्रतिभूतियों को डीमेटेरियलाइज़ करना है और वे समरूप प्रतिभूतियों के रूप में होंगी ।

53. हितकारी स्वामी के अधिकार :

हितकारी स्वामी, निक्षेपागार की अपनी प्रतिभूतियों के मामले में, सभी अधिकारों और प्रयोजनों के हकदार होंगे और सभी देयताओं के भी ।

54. हितकारी स्वामी का रजिस्टर :

i. प्रत्येक निक्षेपागार हितकारी स्वामियों के लिए एक रजिस्टर और सूची का रखरखाव निक्षेपागार अधिनियम, 1998 में या सेवा द्वारा, निक्षेपागार में रखी हुई बैंक की प्रतिभूतियों के मामले में, निर्धारित प्रकार करेगा ।

ii. निक्षेपागार बैंक को, बैंक द्वारा निर्धारित अंतराल पर रजिस्टर की अद्यतन की गई प्रति और उसके द्वारा बनाये रखी जानेवाली हितकारी स्वामियों की सूची प्रस्तुत करेगा ।

55. किसी प्रतिभूति को न चुनने का विकल्प :

i. यदि हितकारी स्वामी किसी प्रतिभूति के मामले में निक्षेपागार का विकल्प नहीं चाहता है, तो वह निक्षेपागार को तदनुसार सूचित करेगा ।

ii. निक्षेपागार, ऊपर के उप-विनियम (i) के तहत ऐसी सूचना प्राप्त करने पर अपने रेकाडों में उचित प्रविष्टियाँ करेगा और बैंक को सूचित करेगा ।

iii. बैंक निक्षेपागार से सूचना की प्राप्ति के 30 (तीस) दिन के अन्दर और ऐसी शर्तों की पूर्ति या ऐसे शुल्कों के भुगतान पर, जो सेबी निक्षेपागार और प्रतिभागी विनियम 1998 और /या निक्षेपागार अधिनियम, 1998, में निर्धारित है, हितकारी स्वामी को या अंतरिती को, जैसा मामला हो, प्रतिभूति का प्रमाणपत्र जारी करेगा ।

अध्याय IV

शेयरधारकों की बैठकें

58. वार्षिक सामान्य बैठक आयोजित करने के लिए नोटिस :

i. शेयरधारकों की वार्षिक सामान्य बैठक आयोजित करने के लिए नोटिस अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या कार्यपालक निदेशक या आन्धा बैंक के किसी प्राधिकृत अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित करके, बैठक से कम से कम 21 पूर्ण दिवस पहले, भारत में अधिक प्रचारवाले कम से कम दो आखबारों में प्रकाशित करना चाहिए ।

ii. ऐसे प्रत्येक नोटिस, में बैठक का समय, तारीख और स्थान की सूचना और बैठक के संयोजन का विवरण देगा

iii. ऐसी बैठक का समय और तारीख बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जायेगा । बैठक आन्धा बैंक के प्रधान कार्यालय में होगी ।

57. असाधारण सामान्य बैठक :

- i. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में बैंक का कार्यपालक निदेशक, या उनकी अनुपस्थिति में बैंक का कोई निदेशक, शेयरधारकों को असाधारण सामान्य बैठक बुला सकते हैं यदि बोर्ड ने ऐसा निदेश दिया हो या केन्द्रीय सरकार से या अन्य शेयरधारकों से, जिनका कुल शेयर, सभी शेयरधारकों के कुल मतदान अधिकार के इस प्रतिशत से कम न हो, ऐसी बैठक बुलाने का अनुरोध प्राप्त हुआ हो।
- ii. उप विनियम (i) में उल्लिखित अनुरोध में असाधारण सामान्य बैठक बुलाने का उद्देश्य उल्लिखित होना चाहिए और उसी रूप में अनेक प्रलेख हो सकते हैं, जो एक या अधिक अनुरोधकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित हैं।
- iii. यदि दो या अधिक व्यक्ति शेयरों के संयुक्त नाम में शेयर हैं, तो एक या इनमें से कुछ द्वारा हस्ताक्षरित बैठक बुलाने का अनुरोध या नोटिस इस विनियम के उद्देश्य के लिए वही अधिकार और प्रभाव होगा जैसे मानो सभी के द्वारा हस्ताक्षरित हो।
- iv. असाधारण सामान्य बैठक का समय, तारीख और स्थान का निर्णय बोर्ड द्वारा किया जाएगा :
बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार या अन्य शेयर धारक द्वारा किये गये अनुरोध पर बुलायी गयी असाधारण सामान्य बैठक, अनुरोध की प्राप्ति के 45 दिन के अन्दर बुलायी जाती है।
- v. यदि अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक ऐसा मामला हो, उप विनियम (i) के अनुसार उप विनियम (iv) के प्रावधान में निर्धारित अवधि में बैठक नहीं बुलाते हैं तो, स्वयं अनुरोधक द्वारा, अनुरोध से तीन महीने के अन्दर बैठक बुलायी जा सकती है।
बशर्ते कि इस उप विनियम में ऐसा प्रावधान नहीं है जो उक्त तीन महीने की अवधि की समाप्ति से पहले विधिवत् बुलाई गई बैठक को, उस अवधि की समाप्ति के बाद किसी अन्य दिन को स्थगित करने से रोकता हो।
- vi. अनुरोधकर्ता द्वारा उप विनियम (v) के तहत बुलायी जानेवाली बैठक, उसी प्रकार बुलाई जानी चाहिए, जैसे बोर्ड द्वारा अन्य सामान्य बैठक बुलायी जाती है।

58. सामान्य बैठक के लिए कोरस :

- i. बैठक के आरंभ में, ऐसी बैठक में मतदान के लिए अधिकतम कम से कम पाँच शेयरधारक कम कोरस न होने पर, बैठक में कोई कारोबार नहीं होगा।
- ii. केन्द्रीय सरकार को छोड़कर अन्य शेयरधारकों के अनुरोध पर बुलायी जानेवाली बैठक के मामले में, बैठक आयोजित करने के लिए नियत समय से अर्ध घण्टे के अन्दर कोरस नहीं होना हो तो बैठक रद्द की जाएगी।

iii. अन्य मामले में, बैठक आयोजित करने के लिए नियत समय से आधे घण्टे के अन्दर कोरम नहीं होता है तो अगले हफ्ते उसी दिन, उसी समय और उसी स्थान पर या अध्यक्ष के निर्णय के अनुसार किसी अन्य दिन, अन्य समय और स्थान के लिए स्थगित की जाएगी। यदि स्थगित की गई बैठक में, बैठक आयोजित करने के लिए नियत समय से आधे घण्टे के अन्दर कोरम नहीं होता है तो, शेयरधारक जो उपस्थित हैं या उनके प्रतिनिधि या विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि कोरम होंगे और वे उन कारबारों को चलायेंगे जिनके लिए बैठक बुलाई गयी।

बशर्ते कि कोई वार्षिक सामान्य बैठक, उस तारीख के बाद की किसी तारीख को, जिसके अन्तर्गत वार्षिक सामान्य बैठक अधिनियम की धारा 10 ए (i) की शर्त के अनुसार होनी चाहिए, स्थगित नहीं की जानी है और यदि अगले हफ्ते के लिए स्थगित बैठक में स्थगन का यही प्रभाव हो तो वार्षिक सामान्य बैठक स्थगित नहीं की जाएगी बल्कि, बैठक का कारबार, यदि कोरम हो तो, बैठक के नियत समय से एक घण्टे के अन्दर शुरू करना चाहिए या उस समय से एक घण्टे की समाप्ति के तुरन्त बाद शुरू करना चाहिए और व्यक्तिगत रूप से उपस्थित शेयरधारक या प्रतिनिधि या विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि ही, ऐसे समय पर कोरम होंगे।

59 सामान्य बैठक के अध्यक्ष :

i. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक द्वारा, इसके लिए सामान्य रूप से या किसी अमुक बैठक के लिए प्राधिकृत कोई निदेशक बैठक के अध्यक्ष होंगे और यदि अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक या कार्यपालक निदेशक या कोई अन्य निदेशक जो इसके लिए प्राधिकृत है, उपस्थित नहीं हो तो सभा बैठक में उपस्थित किसी निदेशक को अध्यक्ष के रूप में चुन सकती है।

ii. सामान्य बैठक के अध्यक्ष, सामान्य बैठकों में कार्यविधि को नियंत्रित करेंगे और विशेषकर, बैठक में शेयरधारकों द्वारा विचार प्रकट करने का क्रम, भाषण के लिए समय-सीमा निर्धारित करना, जब उनकी राय में किसी विषय पर पर्याप्त चर्चा हो चुकी है तो समाप्ति की घोषणा या बैठक स्थगित करने का अधिकार होगा।

60. सामान्य बैठकों में भाग लेने के लिए अधिकृत व्यक्ति :

i. सामान्य बैठक में भाग लेने के लिए सभी निदेशक और अन्धा बैंक के सभी शेयरधारक अधिकृत होंगे, बशर्ते कि उप-विनियम (ii) के प्रावधान के अधीन हो।

ii. कोई शेयरधारक (केन्द्रीय सरकार को छोड़कर) या निदेशक जो सामान्य बैठक में भाग लेता हो, पहचान और अपने मतदान अधिकार पर निर्णय लेने के लिए अध्यक्ष द्वारा विनिर्दिष्ट फार्म जिसमें निम्नलिखित के विवरण होंगे, हस्ताक्षर करके बैंक को सुपुर्द करेंगे -

क. अपना पूरा नाम और पता

ख. अपने शेयरों की स्पष्ट संख्या

ग. क्या वे मतदान करने के लिए अधिकृत हैं और वैयक्तिक रूप से या प्रतिनिधि के रूप में या विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कितने मत के लिए वे अधिकृत हैं।

सामान्य बैठकों में युनाथ :

- i) किसी भी सामान्य बैठक में संकल्प पर वोट हाथ उठाने के आधार पर बैठक में किया जाएगा, जब तक कि मतदान की मांग नहीं की जाती है।
- ii) अधिनियम में अन्यथा उपबंधित न होने पर, सामान्य बैठक में प्रस्तुत किये गये प्रत्येक विषय पर बहुमत से निर्णय किया जाएगा।
- iii) उप विनियम (i) के तहत मतदान की मांग न की जाने पर बैठक के अध्यक्ष द्वारा यह घोषणा की जानी चाहिए कि हाथ उठाने के आधार पर सर्वसम्मति से या विशेष बहुमत से संकल्प लिया गया या नहीं लिया गया है और इस संबंध में इस तथ्य के अंतिम निर्णय के प्रमाण के रूप में कार्यवृत्त की बहियों में इसकी प्रविष्टि होनी चाहिए। ऐसे संकल्प के पक्ष या विपक्ष में डाले गये वोटों की संख्या या अनुपात की गवाही के बिना इस संकल्प का कोई महत्व नहीं है।
- iv) हाथ उठाने के आधार पर मतदान के परिणाम घोषणा करने से पहले या करने पर बैठक के अध्यक्ष द्वारा मतदान के आदेश का प्रस्ताव स्वयं रखा जाए और बैठक में स्वयं उपस्थित शेयरधारक या शेयरधारकों या प्राक्सी और आन्धा बैंक में शेयर रखने वाले शेयरधारकों की मांग पर मतदान कराया जाए जो मतदान करने का अधिकार रखते हैं। संकल्प लेने के लिए कुल वोटों में से $1/5$ वोट से कम नहीं होना चाहिए।
- v) मतदान की मांग करनेवाले किसी भी व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा किसी भी समय मतदान की मांग वापस ली जा सकती है।
- vi) बैठक के अध्यक्ष के चुनाव या स्थगन के प्रश्न पर मतदान की मांग तुरंत की जाएगी।
- vii) किसी भी अन्य प्रश्न पर मतदान की मांग को मांग की समय से लेकर 48 घंटों के भीतर बैठक के अध्यक्ष द्वारा मतदान कराया जाएगा।
- viii) किसी भी व्यक्ति द्वारा मतदान करने की अर्हता और मतदान के मामले में भी किस व्यक्ति को कितने वोट डालने का अधिकार है - इस संबंध में बैठक के अध्यक्ष द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम है।

62) सामान्य बैठकों के कार्यवृत्त :

- i) आन्धा बैंक इस उद्देश्य से संबंधित सभी कार्रवाईयों का कार्यवृत्त तैयार करेगा।
- ii) ऐसी बैठकों की कार्रवाई के कार्यवृत्त पर बैठक के अध्यक्ष द्वारा किये गये हस्ताक्षर कार्रवाई के सबूत होंगे।
- iii) जबतक प्रतिकूल तथ्य साबित नहीं होते, तबतक यह मान लिया जायेगा कि इन बैठकों में की गयी कार्रवाईयों से संबंधित कार्यवृत्त ठीक हैं और सभी कार्रवाईयों से संबंधित बैठकें आयोजित की गयी हैं।

अध्याय-V

निदेशकों का चुनाव

63) सामान्य बैठकों में निदेशकों का चुनाव किया जाना :

- i) अधिनियम की धारा 9 की उप धारा (3) के सण्ड (i) तहत केंद्र सरकार के निदेशकों को छोड़कर आन्धा बैंक की सामान्य बैठक में रजिस्टर में दर्ज किये गये शेयरधारकों द्वारा आपस में एक निदेशक का चुनाव किया जाएगा ।
- ii) जहाँ किसी भी सामान्य बैठक में निदेशक का चुनाव किया जाना है, तो बैठक की सूचना में इसको शामिल किया जाएगा । ऐसी प्रत्येक सूचना में यह स्पष्ट उल्लेख हो कि कितने निदेशकों का चुनाव किया जाना है और चुनाव की जानेवाली रिक्तियों का ब्यौरा दिया जाएगा ।

64) शेयरधारकों की सूची :

- i) इन विनियमों के विनियम 83 के उप विनियम (i) के तहत निदेशक का चुनाव करने के लिए रजिस्टर में दर्ज किये गये शेयरधारकों की सूची बनायी जाएगी, जिनके द्वारा निदेशक का चुनाव किया जाना है ।
- ii) सूची में शेयरधारकों के नाम, उनके पंजीकृत पते संख्या, उनके पास रखे गये शेयरों के डिनोटिंग नंबर, शेयर पंजीकृत की गयी तिथियाँ और बैठक के लिए निर्धारित की गयी तिथि, जिस दिन चुनाव किया जाएगा, उनके पास कितने वोट डालने का अधिकार है - इन सबकी जानकारी रहनी है । बैठक के लिए निर्धारित तिथि से लेकर कम से कम तीन सप्ताह पहले आवेदन पत्र पर बोर्ड या प्रबंध समिति द्वारा निर्धारित किये जाने वाले दर पर सरीखने के लिए सूची की प्रतियाँ प्रधान कार्यालय में उपलब्ध करायी जाएँ ।

65) चुनाव के लिए अभ्यर्थियों का नामांकन :

निदेशक के रूप में चुनाव हेतु अभ्यर्थियों का नामांकन तब तक विधिमान्य नहीं होगा, जब तक :

- अ) वह एक शेयरधारक है और आन्धा बैंक के 100 (एक सौ) शेयर नहीं रखता हो ।
- आ) अधिनियम या योजना के तहत नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि को निदेशक बनने के लिए अयोग्य ठहराया न गया हो ।
- इ) मांग राशि के भुगतान हेतु निर्धारित अंतिम तिथि को या उससे पहले बैंक के शेयरों की सभी कॉलों का भुगतान अकेले या दूसरों के साथ संयुक्त रूप से किया हो ।
- ई) अधिनियम के तहत निदेशकों के चुनाव हेतु अधिकृत कम से कम 100 शेयरधारकों या उनके द्वारा नियुक्त अटर्नी द्वारा जब तक नामांकन लिखित रूप में हस्ताक्षरित नहीं हो । अगर शेयरधारक कंपनी है, तो उसके नामांकन का संकल्प निदेशकों की बैठक में लिया जाना है और बैठक में लिये गये संकल्प की एक प्रति बैठक के अध्यक्ष द्वारा आन्धा बैंक, प्रधान कार्यालय को भेजी जानी है और ऐसी प्रति को इस तरह की कंपनी की ओर से नामांकन माना जाएगा ।

- 3 नामांकन के साथ अभ्यर्थी द्वारा घोषणा पर न्यायाधीश, मजिस्ट्रेट, रजिस्ट्रार या एग्यूस उप रजिस्ट्रार या अन्य राजपत्रित अधिकारी या भारतीय रिजर्व बैंक या किसी राष्ट्रीयकृत बैंक के अधिकारी के सामने हस्ताक्षर करना है कि उन्होंने नामांकन स्वीकार किया है और चुनाव के लिए खड़ा होने के इच्छुक हैं। नामांकन में यह भी उल्लेख है कि या तो वह अधिनियम या योजना या इन विनियमों के तहत निर्देशक बनने के लिए अयोग्य नहीं ठहराया गया है।
- 66 कोई भी नामांकन तब तक वैध नहीं माना जाएगा जब तक सभी प्रकार से भरे गये प्रलेख बैठक के लिए निर्धारित तिथि से कम से कम 14 दिन पहले आन्धा बैंक के प्रधान कार्यालय को कार्य दिवस पर प्राप्त नहीं होते।
- 66 नामांकनों की संवीक्षा :
- i नामांकन प्राप्त के लिए निर्धारित तिथि के अनुवर्ती प्रथम कार्य दिवस को नामांकनों की संवीक्षा की जाएगी और अगर कोई नामांकन वैध नहीं पाया गया है, तो उसके कारणों को रिकार्ड करने के बाद उसे अस्वीकार किया जाएगा। किसी विशेष रिक्ति के लिए चुनाव के जरिए भरे जाने हेतु अगर एक ही नामांकन वैध है तो इस तरह नामित अभ्यर्थी को निर्वाचित माना जाएगा और इस तरह निर्वाचित अभ्यर्थी का नाम एवं पता प्रकाशित किया जाएगा। ऐसे संदर्भ में चुनाव हेतु आयोजित बैठक में चुनाव नहीं होगा और अगर केवल उपरोक्त चुनाव के लिए ही बैठक बुलाई जाती है, तो उसे रद्द माना जाएगा।
 - ii चुनाव कराये जाने के संदर्भ में वैध नामांकनों की संख्या निर्वाचित किये जाने वाले निर्देशकों की संख्या से अधिक है, तो अधिक संख्या में वोट प्राप्त होने वाले अभ्यर्थी को निर्वाचित माना जाएगा।
 - iii विद्यमान रिक्त पद को भरने हेतु निर्देशक का चुनाव किया जाता है, तो निर्वाचन तिथि के अनुवर्ती तारीख से ही उन्होंने कार्यभार संभाला, ऐसा माना जाएगा।
- 67 निर्वाचन विवाद :
- i निर्देशक के रूप में निर्वाचित माने गये या निर्वाचित घोषित किये गये व्यक्ति की अर्हताएं या अनर्हताएं या उसके चुनाव की वैधता के बारे में कोई संदेह या विवाद हो, तो ऐसे चुनाव के लिए वोट डालने हेतु अधिकृत कोई भी अभ्यर्थी या शेयर धारक ऐसे चुनाव के परिणाम घोषित होने के 7 दिन के भीतर लिखित रूप में अपनी शिकायत आन्धा बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निर्देशक को भेज सकता है और उपरोक्त सूचना में शिकायत के कारणों, जिनके आधार पर चुनाव की वैधता पर संदेह या विवाद है, का उल्लेख होना चाहिए।

- ii) उप विनियम (i) के तहत शिकायत प्राप्त होने के बाद अन्ध्रा बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक ऐसे संदेह या विवाद पर निर्णय लेने हेतु उस समिति को स्थापित करेंगे, जिसमें अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक और अधिनियम की धारा 9 के अंतर्गत (बि) और उप धारा (सी) के तहत नामित कोई दो निदेशक हों।
- iii) समिति उप विनियम (ii) में संदर्भित ऐसी शिकायतों की पृष्ठोत्तर जल्दतम करने पर करती है और अगर उसे पता चलता है कि चुनाव वैध है, तो वह निर्वाचन के घोषित परिणामों की पुष्टि करेगी या यदि समिति को पता चलता है कि चुनाव वैध नहीं है, तो पृष्ठोत्तर आरंभ होने के 30 दिनों के अंदर ऐसे आदेश देती है और समिति के सामने मौजूद परिस्थितियों के अनुसार नये तरीके से चुनाव आयोजित करने के निर्देश भी दे सकती है।
- iv) इस विनियम के अनुसरण में इस समिति द्वारा जारी आदेश और निर्देश अंतिम होंगे।

अध्याय - VI

शेयरधारकों को मतदाधिकार

68 मतदाधिकार का निर्धारण।

- i) अधिनियम की धारा 3 (2ई) में निहित प्रावधानों के अधीन सामान्य बैठक की तारीख से पहले केन्द्र करने की रजिस्टर तिथि पर शेयर धारक के रूप में पंजीकृत किया गया प्रत्येक शेयर धारक ऐसे बैठक में भाग दिलाकर एक वोट डाल सकता है और अगर मतदान होता है, तो उसके पास धारित प्रत्येक शेयर के लिए एक-एक वोट होगा।
- ii) अधिनियम की धारा 3 (2ई) में निहित प्रावधानों के अधीन उपर बताये गये अनुसार मतदान का अधिकार रखनेवाला प्रत्येक शेयरधारक, कंपनी के रूप में नहीं, जो मतदान के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित है या प्राप्ति द्वारा या कंपनी के मामले में विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा या प्राप्ति द्वारा भाग बताकर एक वोट डाल सकता है और अगर मतदान कराया जाता है, तो उप विनियम (i) में बताये गये अनुसार शेयरधारक अपने पास धारित प्रत्येक शेयर के लिए एक-एक वोट डालेगा।

स्पष्टीकरण - इस अध्याय में 'कंपनी' का अर्थ कोई भी कार्पोरेट निकाय है।

- iii) सामान्य बैठक में उपस्थित होकर वोट डालने का अधिकार रखनेवाले बैंक के शेयरधारक अपने बजले में बैठक में उपस्थित रहने और मतदान करने हेतु अपने प्राप्ति के रूप में किसी अन्य व्यक्ति (याहें वह शेयर धारक हो या नहीं) को नियुक्त कर सकता है, लेकिन इस तरह नियुक्त किये गये प्राप्ति को बैठक में बोलने का अधिकार नहीं होगा।

69 विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा मतदान

- i) केन्द्र सरकार या कंपनी शेयरधारक होने के भाते संकल्प द्वारा या जो भी मामला हो, शेयरधारकों की किसी भी सामान्य बैठक में अपने प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए अपने किसी अधिकारी या किसी अन्य व्यक्ति को प्राधिकृत कर सकते हैं। इस तरह प्राधिकृत व्यक्ति (इन विनियमों में 'विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि' के रूप में संदर्भित) केन्द्र सरकार या कंपनी, जिसका वह प्रतिनिधित्व करता हो, की तरफ से उन अधिकारों के

प्रयोग का अधिकार होगा, मानो वह आन्धा बैंक का विशेष शेयरधारक हो। इस प्रकार दिये गये अधिकार वैकल्पिक में दो व्यक्तियों के नाम में हो सकते हैं और ऐसे मामले में इनमें से कोई एक केन्द्रीय सरकार/कंपनी के प्राधिकृत प्राधिकारी के रूप में काम कर सकता है।

- ii. आन्धा बैंक के शेयर धारकों की किसी बैठक में वैसा कोई व्यक्ति भाग नहीं लेगा या मतदान नहीं करेगा जब तक कि वह उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा सत्यापित संकल्प की प्रमाणित प्रति को आन्धा बैंक के प्रधान कार्यालय में जमा नहीं किया जाता है, जिसके तहत उसे विधिवत् अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया है, परन्तु किसी भी हालत में बैठक के लिए निर्धारित तारीख से चार दिन पूर्व से कम नहीं।

प्राक्सी :

i. व्यक्तिगत शेयरधारक के मामले में उसके द्वारा या उसके द्वारा लिखित रूप में विधिकृत अटार्नी द्वारा उसपर हस्ताक्षर नहीं किया जाता हो, या संयुक्त धारकों के मामले में रजिस्टर में दर्ज किये गये पहले नामवाले शेयरधारक द्वारा या उसके द्वारा लिखित रूप में विधिवत् प्राधिकृत उसके अटार्नी द्वारा लिखित पर हस्ताक्षर नहीं किया जाता हो या कारपोरेट बाडी के मामले में उसके अधिकारी या उसके द्वारा लिखित रूप में विधिवत् प्राधिकृत अटार्नी द्वारा लिखित पर हस्ताक्षर नहीं किया जाता हो, तब तक प्राक्सी का कोई भी लिखत प्रामाणिक नहीं माना जाएगा।

बशर्ते कि कोई भी शेयरधारक, जो किसी कारणवश अपना नाम नहीं लिख सकता हो, अगर प्राक्सी लिखत पर उसका चिह्न लगाया जाता हो और न्यायाधार्थी, मेजिस्ट्रेट या एग्ज्यूटिव उप-रजिस्ट्रार या अन्य सरकारी राजपत्रित अधिकारी या आन्धा बैंक का अधिकारी द्वारा लिखत पर अभिप्रमाणित किया जाना है।

ii. कोई भी प्राक्सी तब तक प्रामाणिक नहीं माना जाएगा, जब तक उसपर मोहर नहीं लगाया जाता और बैठक के लिए निर्धारित तिथि से कम से कम चार दिन पहले उसकी प्रति आन्धा बैंक के प्रधान कार्यालय में नहीं दी गयी हो। प्राक्सी के साथ-साथ अटार्नी अधिकार या अन्य प्राधिकरण (यदि कोई हो, तो), जिसके तहत यह हस्ताक्षरित है या उस अटार्नी अधिकार की प्रति या अन्य प्राधिकार की सच्ची प्रतिलिपि जो नोटरी पब्लिक या मेजिस्ट्रेट द्वारा सच्ची प्रतिलिपि के रूप में प्रमाणित हो, जबतक कि ऐसे अटार्नी अधिकार या अन्य प्राधिकारपत्रले से आन्धा बैंक में जमा और रजिस्टर्ड न हो।

iii. प्राक्सी का लिखत 'बी' फार्म में न होने पर उसे प्रामाणिक नहीं माना जाएगा।

iv. आन्धा बैंक में डिपोजिट किया गया प्राक्सी का लिखत अपरिवर्तनीय और अंतिम है।

v. अगर प्राक्सी का लिखत वैकल्पिक रूप में दो अनुदानग्राहियों के नाम पर मंजूर किया जाता है, तो एक से अधिक फार्म निष्पादित नहीं किये जाने हैं।

vi. इस विनियम के तहत प्राक्सी को लिखत लिखकर दिया है और वह लिखत जिस बैठक से संबंधित हैं, उस बैठक में अनुदाता (ग्राटर) को मतदान करने का अधिकार नहीं रहेगा।

vii. वैसे कोई व्यक्ति को विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि या प्राक्सी के रूप में नियुक्त नहीं किया जायेगा जो आन्धा बैंक का अधिकारी या कर्मचारी है।

आन्ध्रा बैंक
फार्म - "ए"
शेयर ट्रांसफर फार्म
 (विनियम 17 के उप-विनियम (i) देखें)

निम्न लिखित प्रतिफल के लिए नामक अंतरणकर्ता अंतरिती को एतद्वारा निम्न निर्धारित शेयर अंतरित करता है / करते हैं बशर्ते कि उक्त शेयर वर्तमान में अंतरण कर्ता के नाम पर हैं तथा अंतरिती उपरोक्त शर्त के अधीन कथित शेयरों को स्वीकार करने और धारण करने के लिए एतद्वारा सहमत हैं ।

कंपनी/बैंक का पूरा नाम

मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज
 का नाम जहाँ सौदा किया
 गया, यदि हो, तो

ईक्विटी शेयरों का ब्यौरा

संख्या (अंकों में) संख्या (शब्दों में)

प्रतिफल (अंकों में)

प्रतिफल (शब्दों में)

से
 विशिष्ट संख्या
 तक

अनुसूची प्रमाण पत्र संख्या

अंतरण कर्ता (विक्रेता) (ओं)
 के विवरण

रजिस्टर फोलियो संख्या

हस्ताक्षर

पूरा नाम

1. _____

1. _____

2. _____

2. _____

3. _____

3. _____

4. _____

4. _____

<p style="text-align: center;">साक्ष्यांकन</p> <p>मैं एतद्वारा नीचे बताये गये अंतरणकर्ता के हस्ताक्षर का साक्ष्यांकन करता हूँ।</p> <p>हस्ताक्षर _____</p> <p>नाम _____</p> <p>पता / सील _____</p>	<p style="text-align: center;">साक्षी के हस्ताक्षर</p> <p>साक्षी का नाम और पता _____</p> <p>_____</p> <p>_____</p>												
<p>अंतरिती (क्रिता) के विवरण</p>													
<p>पूरा नाम</p> <p>1. _____</p> <p>2. _____</p> <p>3. _____</p>	<p style="text-align: center;">हस्ताक्षर</p> <p>1. _____</p> <p>2. _____</p> <p>3. _____</p>												
<table style="width: 100%; border: none;"> <tr> <td style="width: 33%; text-align: center;">पेशा</td> <td style="width: 33%; text-align: center;">पता</td> <td style="width: 33%; text-align: center;">पिता/पति का नाम</td> </tr> <tr> <td>1. _____</td> <td>_____</td> <td>_____</td> </tr> <tr> <td>2. _____</td> <td>_____</td> <td>_____</td> </tr> <tr> <td>3. _____</td> <td>_____</td> <td>_____</td> </tr> </table>		पेशा	पता	पिता/पति का नाम	1. _____	_____	_____	2. _____	_____	_____	3. _____	_____	_____
पेशा	पता	पिता/पति का नाम											
1. _____	_____	_____											
2. _____	_____	_____											
3. _____	_____	_____											
<p>नामों के क्रम में अंतरिती का वर्तमान फोलियो, यदि हो, तो _____</p>													
<p>लगाये गये स्टैम्पों का मूल्य रु. _____</p>													
<p>दिनांक _____ महीना _____ वर्ष _____</p>													
<p>स्थान _____</p>													
<p style="text-align: center;">केवल कार्यालय प्रयोग हेतु</p> <p>_____ जॉयकर्ता हस्ताक्षर</p> <p>_____ मिलानकर्ता की गयी</p> <p>रजिस्टर में दर्ज अंतरण संख्या _____</p> <p>अनुमोदन तिथि _____</p>	<table style="width: 100%; border: none;"> <tr> <td style="width: 50%; text-align: center;"><u>फोलियो</u></td> <td style="width: 50%; text-align: center;"><u>कंपनी कोड</u></td> </tr> <tr> <td>अंतरिती (घों) के नमूना (ने) हस्ताक्षर</td> <td>1. _____</td> </tr> <tr> <td></td> <td>2. _____</td> </tr> <tr> <td></td> <td>3. _____</td> </tr> </table>	<u>फोलियो</u>	<u>कंपनी कोड</u>	अंतरिती (घों) के नमूना (ने) हस्ताक्षर	1. _____		2. _____		3. _____				
<u>फोलियो</u>	<u>कंपनी कोड</u>												
अंतरिती (घों) के नमूना (ने) हस्ताक्षर	1. _____												
	2. _____												
	3. _____												

आन्ध्रा बैंक
फार्म - "बी"
प्रॉक्सी फार्म
(विनियम 70 के उप-विनियम (iii) देखें)

फोलियो संख्या _____
(शेयरधारक द्वारा भरा जाना है)

मैं/हम, जो _____ राज्य के _____ जिले में _____
_____ स्थान के निवासी तथा आन्ध्रा बैंक शेयर धारक हूँ/हैं, एतद्द्वारा
_____ राज्य के _____ जिले में _____
स्थान के निवासी श्री _____
को या उनकी अनुपस्थिति में _____ राज्य के _____ जिले में
_____ स्थान के निवासी श्री _____
को दिनांक _____ महीना _____ वर्ष _____ को या तदुपरांत होनेवाली
आन्ध्रा बैंक के शेयर धारकों की बैठक में मेरे/हमारे लिए तथा मेरी/हमारी ओर से वोट करने के लिए
प्रॉक्सी के रूप में नियुक्त करते हूँ।

दिन _____ महीना _____ वर्ष _____ को हस्ताक्षर किया ।

नाम :

पता :

हस्ताक्षर
(राजस्व टिकट लगावें)

साक्ष्यांकन के निर्देश :

जहाँ कहीं भी साक्ष्यांकन की आवश्यकता होती है, (अंगूठे की छाप, निशान, हस्ताक्षर में अंतर, आदि), वह साक्ष्यांकन किसी न्यायाधीश, नोटरी पब्लिक विशेष कार्यकारी न्यायाधीश या किसी सार्वजनिक कार्यालय को संभालनेवाले और अपने कार्यालय सील को प्रयोग करने के लिए सक्षम प्राधिकारी या मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के सदस्य, जिनके माध्यम से शेयर प्रवर्तित किये गये हैं या अंतरणकर्ता के बैंक के प्रबंधक द्वारा किया जाना है।

नोट : नाम, अधिमानतः रबड़ की मुहरों द्वारा सीधी लाइन में अंकित हो। कालानुक्रमिक सूची का रखरखाव किया जाए। जब समाशोधन सदस्य बैंक द्वारा सुपुर्दगी दी जाती हैं तो दलाल की समाशोधन संख्या बतायी जानी चाहिए।

सुपुर्द करने वाले
दलाल या समाशोधन
सदस्य का नाम

दिनांक

अटर्नी अधिकार/प्रोबेट/मृत्यु प्रमाण-पत्र
लेटर आफ एडमिनिस्ट्रेशन

कंपनी के साथ रजिस्टर किया गया

संख्या . _____ दिनांक _____

[दलाल, बैंक, कंपनी, या स्टॉक एक्सचेंज समाशोधन गृह के हस्ताक्षर
(आपक्षर नहीं)]

प्रस्तुत कर्ता _____

पूरा पता _____

शेयर प्रमाण पत्र वापस भेजने का पता :

(शेयर प्रमाण पत्र जिसके नाम पर वापस किया जाना है उसका नाम और पता लिखें।)

नाम और पता : _____

शेयर ट्रांसफर स्टैम्प

[विज्ञापन 3/4/असाधारण/223/99]

डी. जोगी राज, बोर्ड सचिव

ANDHRA BANK
(A GOVT. OF INDIA UNDERTAKING)

NOTIFICATION

Hyderabad., the 8th December, 1999

No. 666/31/72/130.—In exercise of the powers conferred by section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 the Board of Directors of Andhra Bank, after consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely:

CHAPTER - I

INTRODUCTORY

1. Short title and commencement:

- (i) These regulations may be called **ANDHRA BANK GENERAL REGULATIONS, 1998**.
- (ii) These regulations shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definitions: In ~~these~~ regulations, unless there is anything repugnant to the subject or context or meaning thereof:

- (a) "Act" means the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980) ;
- (b) "Bank" means Andhra Bank, constituted under section 3 of the Act;
- (c) "Board" means the Board of Directors constituted under section 9 of the Act;
- (d) "Chairman" means the Chairman of the Board;
- (e) "Committee" means a committee as constituted by the Board;
- (f) "Executive Director" means the wholtime Director, not being the Managing Director;
- (g) "General Manager" means General Manager of the Bank;
- (h) "Management Committee" means a committee constituted under clause 13 of the scheme;
- (i) "Managing Director" means Managing Director of the Bank;
- (j) "Register" means the register of Shareholders kept in one or more books of the Bank and includes the register of Shareholders kept in Computer floppies or diskettes under sub-section (2G) of section 3 of the Act;
- (k) "Registrar" means the person appointed by the Bank for -
 - (i) collecting applications from investors in respect of an issue,
 - (ii) keeping a proper record of applications and monies received from investors or paid to the seller of the securities,

(iii) assisting the Bank in -

- (a) determining the basis of allotment of securities in consultation with the stock exchange,
- (b) finalising the list of persons entitled to allotment of securities,
- (c) processing and despatching allotment letters, refund orders or certificates and other related documents in respect of the issue, and

(iv) such other function as assigned from time to time by the Bank,

(l) "Scheme" means the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980;

(m) "Share" means share in the Share Capital of the Bank;

(n) "Share transfer agent" includes -

- (i) any person, who on behalf of the Bank maintains the records of holders of securities issued by the Bank and deals with all matters connected with the transfer and redemption of its securities, or
- (ii) a department or division (by whatever name called) of the Bank performing the activities referred in sub-clause (i);

(o) Words and expressions used in Chapter III and not defined in these Regulations but defined in the Depositories Act, 1996 (Act 22 of 1996), shall have the meaning respectively assigned to them in the said Act.

(p) Other expressions used and not defined in these regulations but used in the Act or the Scheme shall have the meanings respectively assigned to them in the Act or the Scheme;

CHAPTER - II

SHARES AND SHARE REGISTER

3. **Nature of Shares :** The shares of Andhra Bank shall be movable property, transferable in the manner provided under these regulations.

4. **Kinds of Share Capital :**

(i) Preference Share Capital means that part of share capital of Andhra Bank which fulfills both the following conditions:-

- (A) as respects dividends, it carries a preferential right to be paid a fixed amount or an amount calculated at fixed rate, which may be either free of or subject to income tax and

(B) as respect capital, it carries or will carry, on winding up to repayment of capital, a preferential right to be repaid the amount of the capital paid-up or deemed to have been paid-up, whether or not there is preferential right to the payment of either or both of the following amounts, namely :-

- (a) any money remaining unpaid, in respect of the amounts specified in clause (A) up to the date of winding up or repayment of capital, and
- (b) any fixed premium or premium on any fixed scale, specified by the Board with the previous consent of the Central Government.

(ii) "Equity Share Capital" means all share capital, which is not preference share capital.

(iii) The expressions "Preference Share" and "Equity Share" shall be construed accordingly.

5. Particulars to be entered in the register:

- (i) A share register shall be kept, maintained and updated in accordance with sub-section 2(F) of section 3 of the Act.
- (ii) In addition to the particulars specified in sub-section 2(F) of section 3 of the Act, such other particulars as the Board may specify shall be entered in the register.
- (iii) In the case of joint holders of any share, their names and other particulars required by sub-regulation (i) shall be grouped under the name of the first of such joint holders.
- (iv) Subject to the proviso of sub-section 2(D) of Sec.3 of the Act, a shareholder resident outside India may furnish to the Bank an address in India, and any such address shall be entered in the register and be deemed to be his registered address for the purposes of the Act and these regulations.
- (v) No notice of any trust, express implied or constructive, shall be entered on the register or be receivable by the Bank.

6. Control over shares and registers : Subject to the provisions of the Act and these regulations, and such directions as the Board may issue from time to time, the register shall be kept and maintained at the Head Office of Andhra Bank and be under the control of the Board and the decision of the Board as to whether or not a person is entitled to be registered as a shareholder in respect of any share shall be final.

7. Parties who may not be registered as shareholders:

- (i) Except as otherwise provided by these regulations, all persons who are not competent to contract shall not be entitled to be registered as a shareholder and the decision of the Board in this regard shall be conclusive and final.
- (ii) In case of firms, shares may be registered in the names of the individual partners and no firm, as such, shall be entitled to be registered as a shareholder.

8. Maintenance of share register in computer system, etc., :-

- (i) The particulars required to be entered in the share register under sub-section, 2(F) of section 3 of the Act, read with those mentioned in regulation 5, shall be maintained under sub-section, 2(G) of section 3 of the Act, in the form of data stored in magnetic/optical/magneto-optical media by way of diskettes, floppies, cartridges or otherwise (hereinafter referred to as the "media") in computers to be maintained at the Head Office and the back up at such location as may be decided from time to time by the Chairman and Managing Director or any other official not below the rank of a General Manager designated in this behalf by the Chairman and Managing Director (hereinafter referred to as "the designated official").
- (ii) Particulars required to be entered in the share register under sec.3(B) of the Act read with Section 11 of the Depositories Act, 1996 shall be maintained in the electronic form in the manner and in the form as prescribed therein.

9. Safeguards for protection of Computer System :

- (i) The access to the system set out in Regulation 8(i) in which data is stored shall be restricted to such persons including Registrars to an issue and / or share transfer agents as may be authorised in this behalf by the Chairman and Managing Director or the designated official and the passwords if any, and the electronic security control systems shall be kept confidential under the custody of the said persons.
- (ii) The access by the authorised persons shall be recorded in logs by the Computer system and such logs shall be preserved with the officials / persons designated in this behalf by the Chairman and Managing Director or the designated official.
- (iii) Copies of the back-ups shall be taken on removable media at intervals as may be specified from time to time by the Chairman and Managing Director or the designated official, incorporating the changes made in the register of shareholders. Atleast one of these copies shall be stored in a location other than the premises in which processing is being done. This copy shall be stored in a fire-proof environment with locking arrangement and at the requisite temperature. The access to the back-ups in both the locations shall be restricted to persons authorised in this behalf by the Chairman and Managing Director or the designated official. The persons so authorised shall record the access in a manual register kept at the location.

- (iv) It shall be the duty of the authorised persons to compare the data on the back-ups with that on the computer system by using appropriate software to ensure correctness of the back-up. The result of this operation shall be recorded in the register maintained for the purpose.
- (v) It shall be competent for the Chairman and Managing Director, by special or general order, to add or modify the instructions, stipulations in regard to the safeguards to be observed in maintaining the register of the shareholders in the computer system with due regard to the advancement of technology, and / or in the exigencies of situation or for any other relevant consideration.

10. Exercise of rights of Joint Holders : If any share stands in the names of two or more persons, the person first named in the register shall, as regards voting, receipt of dividends, service of notices and all or any other matters connected with Andhra Bank except the transfer of shares, be deemed to be the sole holder thereof.

11. Inspection of Register:

- (i) The register shall, except when closed under Regulation 12, be open to inspection of any shareholder, free of charge, at the place where it is maintained during business hours subject to such reasonable restrictions as the Board may impose, but so that not less than two hours in each working day shall be allowed for inspection.
- (ii) Any shareholder may make extracts of any entry in the register or computer prints free of charge or if he requires a copy or computer prints of the register or of any part thereof, the same will be supplied to him on pre-payment at the rate of Rs.5/- for every 100 words or fractional part thereof required to be copied.
- (iii) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (ii), any duly authorised officer of the Government shall have the right to make a copy of any entry in the register or be furnished a copy of the register or any part thereof.

12. Closing of the Register:

The Bank may, after giving not less than seven days previous notice by advertisement in at least two newspapers circulating in India, close the register of shareholders for any period or periods not exceeding in the aggregate forty-five days in each year, but not exceeding thirty days at any one time as shall, in its opinion, be necessary.

13. Share Certificates :

- (i) Each share certificate shall bear share certificate number, a distinctive number, the number of shares in respect of which it is issued and the name of the shareholder to whom it is issued and it shall be in such form as may be specified by the Board.

- (ii) Every share certificate shall be issued under the common seal of the Bank in pursuance of a resolution of the Board and shall be signed by two directors and some other officer appointed by the Board for the purpose.

Provided that the signature of the directors may be printed, engraved, lithographed or impressed by such other mechanical process as the Board may direct.

- (iii) A signature so printed, engraved, lithographed or otherwise impressed shall be as valid as a signature in the proper handwriting of the signatory himself.
- (iv) No share certificate shall be valid unless and until it is so signed. Share certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon may have ceased to be a person authorised to sign share certificates on behalf of the Bank.
- (v) Should the share certificate so prepared contain the signature of an authorised person, as stated in sub-clause (ii) above, who however is dead at the time of issue of the certificate, the Bank may, by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The share certificate so issued shall be valid.

14. Issue of Share Certificates:

- (i) While issuing share certificates to any shareholder, it shall be competent for the Board to issue the certificates on the basis of one certificate for every hundred shares or multiples thereof registered in his name on any one occasion and one additional share certificate for the number of shares in excess thereof but which are less than hundred.
- (ii) If the number of shares to be registered is less than hundred, one certificate shall be issued for all the shares.
- (iii) In respect of any share or shares held jointly by several persons, the Bank shall not be bound to issue more than one certificate, and delivery of a certificate for a share to one of several joint holders shall be sufficient delivery to all such holders.

15. Renewal of share certificates:

- (i) If any share certificate is worn out or defaced, the Board or the Committee designated by it on production of such certificate may order the same to be cancelled and have a new certificate issued in lieu thereof.
- (ii) If any share certificate is alleged to be lost or destroyed, the Board or the Committee designated by it on such indemnity with or without surety as the Board or the Committee thinks fit, and on publication in two newspapers and on payment to Andhra Bank of its costs, charges and expenses, a duplicate certificate in lieu thereof may be given to the person entitled to such lost or destroyed certificate.

16. Consolidation and sub-division of shares:

On a written application made by the shareholder(s), the Board or the committee designated by it may consolidate or sub-divide the shares submitted to it for consolidation /sub-division as the case may be and issue a new certificate (s) in lieu thereof on payment to the Bank of its costs, charges and expenses of and incidental to the matter.

17. Transfer of Shares :

- (i) Every transfer of the shares of the Bank shall be by an instrument of transfer in form 'A' annexed hereto or in such other form as may be approved by the Bank from time to time and shall be duly stamped, dated and executed by or on behalf of the transferor and the transferee alongwith the relative share certificate.
- (ii) The instrument of transfer alongwith the share certificate shall be submitted to the Bank at its Head Office and the transferor shall be deemed to remain the holder of such shares until the name of the transferee is entered in the share register in respect thereof.
- (iii) Upon receipt by the Bank of an instrument of transfer alongwith a share certificate with a request to register the transfer, the Board or the committee designated by the Board shall forward the said instrument of transfer alongwith share certificate to the Registrar and / or Share Transfer Agents for the purposes of verification that the technical requirements are complied with in their entirety. The Registrar and / or Share Transfer Agent shall return the instrument of transfer alongwith the share certificate if any to the Transferee for resubmission unless:
 - (a) The instrument of transfer is presented to the Bank, duly stamped and properly executed for registration and is accompanied by the certificate of the shares to which it relates and such other evidence as the Board may require to show the title of the transferor to make such transfer.
 - (b) The Registrar is satisfied that the transferee is qualified to be registered as a shareholder of the Bank in respect of the shares covered by the instrument of transfer.
- (iv) The Board or the Committee designated by the Board shall unless it declines to register the transfer under regulation 19 hereinafter cause the transfer to be registered.

18. Power to suspend transfers:- The Board or the committee designated by the Board shall not register any transfer during any period in which the register is closed.

19. Board's right to refuse registration of transfer of shares :-

- (i) The Board may refuse transfer of any shares in the name of the transferee on any one or more of the following grounds, and on no other grounds:-
- (a) the transfer of shares is in contravention of the provisions of the Act or regulations made thereunder or any other law or that any other requirement under the law relating to registration of such transfer has not been complied with;
 - (b) the transfer of shares, in the opinion of the Board, is prejudicial to the interests of the Bank or to public interest;
 - (c) the transfer of shares is prohibited by an order of court, Tribunal or any other authority under any law for the time being in force.
 - (d) an individual or company resident outside India or any company incorporated under any law not in force in India or any branch of such company whether resident outside India or not will on the transfer being allowed hold or acquire as a result thereof, shares of the Bank and such investment in the aggregate will exceed the percentage being more than 20% (twenty) of the paid up capital or as may be specified by the Central Government by notification in the Official Gazette.

Provided however, that the powers of refusal mentioned in sub-regulation (i) (c) above may be exercised by the committee designated by the Board in this behalf.

- (ii) The Board shall, after the instrument of transfer of shares of the Bank is lodged with it for the purpose of registration of such transfer form its opinion as to whether such registration ought or ought not to be refused on any of the grounds referred to in sub-regulation (i)
- (a) If it has formed the opinion that such registration ought not to be so refused, effect such registration; and
 - (b) If it has formed the opinion that such registration ought to be refused on any of the grounds mentioned in sub-regulation (i) , intimate the Transferor and the Transferee by notice in writing within 60 days from the receipt of the Transfer form.

20. Transmission of shares in the event of death, insolvency etc.,

- (i) The executors or administrators of a deceased shareholder in respect of a share, or the holder of letter of probate or letters of administration with or without the will annexed or a succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925, or the holder of any legal representation or a person in whose favour a valid instrument of transfer was executed by the deceased sole holder during the latter's lifetime shall be the only person who may be recognised by Andhra Bank as having any title to such share.

- (ii) In the case of shares registered in the name of two or more shareholders, the survivor or survivors and on the death of the last survivor, his executors or administrators or any person who is the holder or letters of probate or letters of administration with or without will annexed or a succession certificate or any other legal representation in respect of such survivor's interest in the share or a person in whose favour a valid instrument of transfer of share was executed by such person and such last survivor during the latter's lifetime, shall be the only person who may be recognised by Andhra Bank as having any title to such share.
- (iii) Andhra Bank shall not be bound to recognise such executors or administrators unless they shall have obtained probate or letters of administration or succession certificate, as the case may be, from a court of competent jurisdiction.

Provided, however, that in a case where the Board in its discretion thinks fit, it shall be lawful for the Board to dispense with the production of letters of probate or letters of administration or succession certificate or such other legal representation, upon such terms as to indemnity or otherwise as it may think fit.

- (iv) Any such person becoming entitled to a share in consequence of death of a shareholder and any person becoming entitled to a share in consequence of the insolvency, bankruptcy or liquidation of a shareholder shall upon production of such evidence, as the Board may require, have the right
- (a) to be registered as a shareholder in respect of such share.
 - (b) to make such transfer of such share as the person from whom he derives title could have made.

21. Shareholder ceasing to be qualified for registration : It shall be the duty of any person registered as a shareholder, whether solely or jointly with another or others forthwith upon ceasing to be qualified to be so registered in respect of any share to give intimation thereof to the Board of Directors in this regard.

22. Calls on Shares : The Board may, from time to time, make such calls as it thinks fit upon the shareholders in respect of all moneys remaining unpaid on the shares held by them, which are by the conditions of allotment not made payable at fixed times, and each shareholder shall pay the amount of every call so made on him to the person and at the time and place appointed by the Board. A call may be payable by instalments.

23. Calls to date from resolution: A call shall be deemed to have been made at the time when the resolution of the Board authorising such call was passed and may be made payable by the shareholders on the register on such date or at the discretion of the Board on such subsequent date as may be fixed by the Board.

- 24. Notice of call:** A notice of not less than thirty days of every call shall be given specifying the time of payment provided that before the time for payment of such call the Board may by notice in writing to the shareholders revoke the same.
- 25. Extension of time for payment of call :** The Board may, from time to time and at its discretion, extend the time fixed for the payment of any call to all or any of the shareholders having regard to distance of their residence or some other sufficient cause, but no shareholder shall be entitled to such extension as a matter of right.
- 26. Liabilities of joint holders:** The joint holders of a share shall be jointly and severally liable to pay all calls in respect thereof.
- 27. Amount payable at fixed time or by instalments as calls :** If by the terms of issue of any share or otherwise any amount is payable at any fixed time or by instalments at fixed times, every such amount or instalment shall be payable as if it were a call duly made by the Board and of which due notice had been given and all the provisions herein contained in respect of the calls shall relate to such amount or instalment accordingly.
- 28. When interest on call or instalment payable :** If the sum payable in respect of any call or instalment is not paid on or before the day appointed for payment thereof, the holder for the time being or allottee of the share in respect of which a call shall have been made, or the instalment shall be due, shall pay interest on such sum at such rate as the Board may fix from time to time, from the day appointed for the payment thereof to the time of actual payment, but the Board may at its discretion waive payment of such interest wholly or in part.
- 29. Non-payment of calls by shareholder :** No shareholder shall be entitled to receive any dividend or to exercise any right of a shareholder until he shall have paid all calls for the time being due and payable on every share held by him, whether singly or jointly with any person, together with interest and expenses, as may be levied or charged.
- 30. Notice on non-payment of call or instalment :** If any shareholder fails to pay the whole or any part of any call or instalment or any money due in respect of any shares either by way of principal or interest on or before the day appointed for the payment of the same, Andhra Bank may at any time thereafter during such time as the call or instalment or any part thereof or other moneys remain unpaid or a judgement or decree in respect thereof remains unsatisfied in whole or in part, serve a notice on such shareholder or on the person (if any) entitled to the share by transmission, requiring him to pay such call or instalment or such part thereof or other moneys as remain unpaid together with any interest that may

have accrued and all expenses (legal or otherwise) that may have been paid or incurred by Andhra Bank by reason of such non-payment.

31. **Notice of Forfeiture :** The notice of forfeiture shall name a day not being less than fourteen days from the date of the notice and the place or places on and at which such call or instalment or such part or other monies and such interest and expenses as aforesaid are to be paid. The notice shall also state that in the event of non-payment on or before the time and at the place appointed, the share in respect of which the call was made or instalment is payable will be liable to be forfeited.
32. **Shares to be forfeited on default :** If the requirements of any such notice as aforesaid are not complied with, any of the shares in respect of which such notice has been given may at any time thereafter for non-payment of all calls or instalments, interest and expenses or the money due in respect thereof, be forfeited by a resolution of the Board to that effect. Such forfeiture shall include all dividends declared in respect of the forfeited shares and not actually paid before the forfeiture.
33. **Entry of forfeiture in the register:** When any share has been forfeited under regulation 32, an entry of the forfeiture with the date thereof shall be made in the register.
34. **Forfeited shares to be property of Andhra Bank and may be sold :** Any share so forfeited shall be deemed to be the property of Andhra Bank and may be sold, reallotted or otherwise disposed of to any person upon such terms and in such manner as the Board may decide.
35. **Power to annul forfeiture :** The Board may, at any time, before any share so forfeited under regulation 32 shall have been sold, reallotted or otherwise disposed of, annul the forfeiture thereof upon such conditions as it may think fit.
36. **Shareholder liable to pay money owing at the time of forfeiture and interest:** Any shareholder whose shares have been forfeited shall, notwithstanding the forfeiture, be liable to pay and shall forthwith pay to Andhra Bank all calls, instalments, interest, expenses and other moneys owing upon or in respect of such shares at the time of forfeiture with interest thereon from the time of forfeiture until payment at such rate as may be specified by the Board and the Board may enforce the payment of the whole or a portion thereof.
37. **Partial payment not to preclude forfeiture :** Neither a judgement nor a decree in favour of Andhra Bank for calls or other monies due in respect of any shares nor any payment or satisfaction thereunder nor the receipt by Andhra Bank of a portion of any money which shall be due from any shareholder from time to time

in respect of any shares either by way of principal or interest nor any indulgence granted by Andhra Bank in respect of payment of any money shall preclude the forfeiture of such shares under these regulations.

- 38. Forfeiture of share extinguishes all claims against Bank :** The forfeiture of a share shall involve extinction, at the time of the forfeiture, of all interest in and all claims and demands against the Bank, in respect of the share and all other rights incidental to the share, except only such of those rights as by these presents expressly waived.
- 39. Original shares null and void on sale, re-issue, re-allotment or disposal on being forfeited :** Upon any sale, re-issue, re-allotment or other disposal under the provisions of the preceding regulations, the certificate(s) originally issued in respect of the relative shares shall (unless the same shall on demand by the Bank have been previously surrendered to it by the defaulting member) stand cancelled and become null and void and of no effect, the Board shall be entitled to issue a new certificate or certificates in respect of the said shares to the person or persons entitled thereto.
- 40. Application of forfeiture provisions:** The provisions of these regulations as to the forfeiture shall apply in the case of non-payment of any sum which by terms of issue of a share become payable at a fixed time, whether on account of nominal value of the shares or by way of premium as if the same had been payable by virtue of a call duly made.
- 41. Lien on Shares :**
- (i) The Bank shall have a first and paramount lien -
 - (a) on every share (not being a fully-paid share), for all moneys (whether presently payable or not) called, or payable at a fixed time, in respect of that share;
 - (b) on all shares (not being fully-paid shares) standing registered in the name of single person, for all moneys presently payable by him or his estate to the Bank.
 - (c) upon all the shares registered in the name of each person (whether solely or jointly with others) and upon the proceeds of sale thereof for his debts, liabilities, and engagements, solely or jointly with any other person to or with the Bank, whether the period for the payment, fulfillment, or discharge thereof shall have actually arrived or not and no equitable interest in any share shall be recognised by the Bank over its lien.

Provided that the Board of Directors may at any time declare any share to be wholly or in part exempt from the provisions of this clause.

- (ii) The Bank's lien, if any, on a share shall extend to all dividends payable thereon.

42. Enforcing Lien by Sale of Shares -

- (i) The Bank may sell, in such manner as the Board thinks fit, any shares on which the company has a lien:
- (a) if a sum in respect of which the lien exists is presently payable, and
 - (b) after the expiration of fourteen days after a notice in writing stating and demanding payment of such part of the amount in respect of which the lien exists as is presently payable, has been given to the registered holder for the time being of the share or the person entitled thereto by reason of his death or insolvency.
- (ii) To give effect to any such sale, the Board may authorise some officer to transfer the shares sold to the purchaser thereof.

- 43. Application of proceeds of sale of shares :** The net proceeds of any sale of shares under regulation 42 after deduction of costs of such sale, shall be applied in or towards the satisfaction of the debt or liability in respect whereof the lien exists so far as the same is presently payable and the residue, if any, be paid to the shareholders or the person, if any, entitled by transmission to the shares so sold.

- 44. Certificate of forfeiture :** A certificate in writing under the hands of any director, or any other officer of Andhra Bank duly authorised in this behalf, that the call in respect of a share was made and that the forfeiture of the share was made by a resolution of the Board to that effect, shall be conclusive evidence of the fact stated therein as against all persons entitled to such shares.

- 45. Title of purchaser and allottee of forfeited share:** Andhra Bank may receive the consideration, if any, given for the share on any sale, reallocation or other disposition thereof and the person to whom such share is sold, reallocated or disposed of may be registered as the holder of the share and shall not be bound to see the application of the consideration, if any, nor shall his title to the share be affected by any irregularity or invalidity in the proceedings in reference to the forfeiture, sale, reallocation or other disposal of the share and the remedy of any person aggrieved by the sale shall be in damages only and against Andhra Bank exclusively.

46. Service of a notice or document to Shareholders:

- (i) The Bank may serve a notice or a document on any shareholder either personally, or by ordinary post at his registered address or if he has no registered address in India, at the address, if any, within India supplied by him to the Bank for giving of notice to him.

- (ii) Where a document or a notice is sent by post, the service of such document or notice shall be deemed to be effected by properly addressing, prepaying and posting a letter containing the document or notice.

Provided that where a shareholder has intimated to the Bank in advance that documents should be sent to him under a certificate of posting or by registered post, with or without acknowledgment due and has deposited with the Bank a sum sufficient to defray the expenses of doing so, service of the document or notice shall not be deemed to be effected unless it is sent in the manner intimated by the shareholder. And such service shall be deemed to have been effected in the case of a notice of a meeting at the expiration of forty eight hours after the letter containing the same is posted, and in ~~an~~^{any} other case, at the time at which the letter would have been delivered in the ordinary course of post.

- (iii) A notice or a document advertised in a newspaper widely circulated in India shall be deemed to be duly served on the day on which the advertisement appears on every shareholder of the Bank who has no registered address in India and has not supplied to the Bank an address within India for giving of notice to him.

- (iv) A notice or document may be served by the Bank on the joint holder of a share by effecting service on the joint-holder named first in the register in respect of the share and notice so given shall be sufficient notice to all the holders of the said shares.

- (v) A notice or a document may be served by the Bank on the persons entitled to a share upon death or in consequence of the insolvency of a shareholder by sending it through post in a prepaid letter addressed to them by name, or by the title of representatives of the deceased, or assignees of the insolvent, or by any like description, at the address, if any, in India supplied for the purpose by the persons, claiming to be so entitled, or until such an address has been so supplied, by serving the document in any manner in which it might have been served if the death or insolvency had not occurred.

- (vi) The signature to any notice to be given by the Andhra Bank may be written or printed.

CHAPTER III

SECURITIES OF THE BANK HELD IN A DEPOSITORY

47. Agreement between a depository and the Bank - The Bank may enter into an agreement with one or more depository to avail of its services in respect of securities issued by the Bank.

48. Agreement between a Participant and the depository

- (i) Any participant may enter into an agreement with the depository to act as its agent. The depository with whom the agreement will be entered into will be one whose services the Bank has agreed to avail of under Regulation 47.
- (ii) Any shareholder of the bank may through the participant enter into an agreement with the depository in the form specified by such depository for availing its services in respect of securities issued by the Bank.

49. Surrender of certificate of security

- (i) Any shareholder or holder of any security of the bank who has entered into an agreement under regulation 48 above, shall surrender the certificate of security in respect of which he seeks to avail the service of a depository to the bank.
- (ii) The Bank on receipt of the certificate of security under sub-regulation (i) above, shall cancel the certificate of security and substitute in its record the name of the depository as a registered owner in respect of that security and inform the depository accordingly.
- (iii) A depository shall, on receipt of information under sub-regulation (ii) above, enter the name of the person referred to in sub-regulation (i) above, in its records as the beneficial owner.

50. Registration of transfer of securities with depository - Every depository shall on receipt of intimation to effect transfer from the Bank register the transfer of securities in the name of the transferee.

51. Option to receive security certificate or to hold the security held with a depository:

- (i) Every person subscribing to securities offered by the Bank, shall have option either to receive security certificate or hold the security with the depository.
- (ii) When a person opts to hold security with the depository the Bank shall intimate such depository details of allotment of securities and on receipt of such information, the depository shall enter in its register, name of the allottee as the beneficial owner of that security.

52. Securities in depository to be in a fungible form - All securities held by the depository shall be dematerialised and shall be in a fungible form.

53. Rights of beneficial owner - The beneficial owner shall be entitled to all the rights and benefits and be subjected to all the liabilities in respect of his securities held by the depository.

54. Register of Beneficial Owner

- (i) Every depository shall maintain a register and an index of beneficial owners in such form as may be prescribed under the Depositories Act, 1996 or by SEBI in respect of securities of the bank held by the Depository.
- (ii) The depository shall furnish to the Bank at such intervals as may be prescribed by the Bank, an updated copy of the register and index of the beneficial owners maintained by it.

55. Option to opt in respect of any securities

- (i) If the beneficial owner seeks to opt out from the depository in respect of any security, he shall inform the depository accordingly.
- (ii) The depository shall on receipt of such intimation under sub-regulation (i) above make appropriate entries in its records and shall inform the Bank.
- (iii) The Bank shall within 30 (thirty) days of the receipt of intimation from the depository and on fulfilment of such conditions and on payment of such fees as may be specified in the SEBI Depositories & Participants Regulations 1996 and / or the Depositories Act, 1996 issue a certificate of security to the beneficial owner or the transferee as the case may be.

CHAPTER IV

MEETINGS OF SHAREHOLDERS

56. Notice convening an Annual general meeting

- (i) A notice convening an annual general meeting of the shareholders signed by the Chairman and Managing Director or Executive Director or any authorised official of Andhra Bank shall be published at least twenty one clear days before the meeting in not less than two daily newspapers having wide circulation in India.
- (ii) Every such notice shall state the time, date and place of such meeting and also the business that shall be transacted at that meeting.
- (iii) The time and date of such meeting shall be as specified by the Board. The meeting shall be held at the place of head office of Andhra Bank.

57. Extraordinary General Meeting -

- (i) The Chairman & Managing Director or in his absence the Executive Director of the Bank or in his absence any one of the Directors of the Bank may convene an Extra Ordinary General Meeting of shareholders if so directed by the Board, or on a requisition for such a meeting having been received either from the Central Government or from other shareholders holding shares, carrying, in the aggregate, not less than ten percent of the total voting rights of all the shareholders.
- (ii) The requisition referred in sub-regulation (i) shall state the purpose for which the Extra Ordinary General Meeting is required to be convened, but may consist of several documents in like form each signed by one or more of the requisitionists.
- (iii) Where two or more persons hold any shares jointly, the requisition or a notice calling a meeting, signed by one or some of them shall, for the purpose of this regulation have the same force and effect as if it had been signed by all of them.
- (iv) The time, date and place of the Extra Ordinary General Meeting shall be decided by the Board:

Provided that the Extra Ordinary General Meeting convened on the requisition by the central Government or other shareholder shall be convened not later than 45 days of the receipt of the requisition.

- (v) If the Chairman and Managing Director or in his absence the Executive Director, as the case may be, does not convene a meeting as required by sub-regulation (i), within the period stipulated in the proviso to sub-regulation (iv), the meeting may be called by the requisitionist themselves within three months from the date of the requisition :

Provided that nothing in this sub-regulation shall be deemed to prevent a meeting duly convened before the expiry of the period of three months aforesaid, from being adjourned to some day after the expiry of that period.

- (vi) A meeting called under sub-regulation (v) by the requisitionist shall be called in the same manner, as nearly as possible as that in which the other general meetings are called by the Board.

58. Quorum of general meeting -

- (i) No business shall be transacted at any meeting of the shareholders unless a quorum of atleast five shareholders entitled to vote at such meeting in person are present at the commencement of such business .
- (ii) If within half an hour after the time appointed for the holding of a meeting, a quorum is not present, in the case of a meeting called by a requisition of shareholders other than the Central Government, the meeting shall stand dissolved.

- (ii) In any other case if within half an hour after the time appointed for the holding of a meeting, a quorum is not present, the meeting shall stand adjourned to the same day in the next week, at the same time and place or to such other day and such other time and place as the Chairman may determine. If at the adjourned meeting a quorum is not present within half an hour from the time appointed for holding the meeting, the shareholders who are present in person or by proxy or by duly authorised representative at such adjourned meeting shall be quorum and may transact the business for which the meeting was called :

Provided that no annual general meeting shall be adjourned to a date later than the date within which such annual general meeting shall be held in terms of section 10 A (1) of the Act and if adjournment of the meeting to the same day in the following week would have this effect, the annual general meeting shall not be adjourned but the business of the meeting shall be commenced within one hour from the time appointed for the meeting if the quorum is present or immediately after the expiry of one hour from that time and those shareholders who are present in person or by proxy or by duly authorised representative at such time shall form the quorum.

59. Chairman at general meeting -

- (i) The Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director or in his absence such one of the directors as may be generally or in relation to a particular meeting be authorised by the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director in this behalf, shall be the chairman of the meeting and if the Chairman and Managing Director or the Executive Director or any other director authorised in this behalf is not present, the meeting may elect any other director present to be the chairman of the meeting.
- (ii) The chairman of the general meeting shall regulate the procedure at general meetings and in particular shall have power to decide the order in which the shareholders may address the meeting to fix a time limit for speeches, to apply the closure, when in his opinion, any matter has been sufficiently discussed and to adjourn the meeting.

60. Persons entitled to attend general meetings -

- (i) All directors and all shareholders of Andhra Bank shall, subject to the provisions of sub-regulation (ii), be entitled to attend a general meeting.
- (ii) A shareholder (not being the Central Government) or a Director, attending a general meeting shall for the purpose of identification and to determine his voting rights, be required to sign and deliver to the Bank a form to be specified by the chairman containing particulars relating to -
- (a) his full name and registered address;
 - (b) the distinctive numbers of his shares;
 - (c) whether he is entitled to vote and the number of votes to which he is entitled in person or by proxy or as a duly authorised representative.

61. Voting at general meetings -

- (i) At any general meeting, a resolution put to the vote of the meeting shall, unless a poll is demanded be decided on a show of hands.
- (ii) Save as otherwise provided in the Act every matter submitted to a general meeting shall be decided by a majority of votes.
- (iii) Unless a poll is demanded under sub-regulation (i), a declaration by the Chairman of the meeting that a resolution on show of hands has or has not been carried either unanimously or by a particular majority and an entry to that effect in the books containing the minutes of the proceedings, shall be conclusive evidence of the fact, without proof of the number or proportion of the votes cast in favour of, or against, such resolution.
- (iv) Before or on the declaration of the result of the voting on any resolution on a show of hands, a poll may be ordered to be taken by the chairman of the meeting of his own motion, and shall be ordered to be taken by him on a demand made in that behalf by any shareholder or shareholders present in person or by proxy and holding shares in Andhra Bank which confer a power to vote on the resolution not being less than one fifth of the total voting power in respect of the resolution.
- (v) The demand for a poll may be withdrawn at any time by the person or persons who made the demand.
- (vi) A poll demanded on a question of adjournment or election of chairman of the meeting shall be taken forthwith.
- (vii) A poll demanded on any other question shall be taken at such time not being later than forty eight hours from the time when the demand was made, as the chairman of the meeting may direct.
- (viii) The decision of the chairman of the meeting as to the qualification of any person to vote, and also in the case of poll, as to the number of votes any person is competent to exercise shall be final.

62. Minutes of general meetings -

- (i) Andhra Bank shall cause the minutes of all proceedings to be maintained in the books kept for the purpose.
- (ii) Any such minutes, if purporting to be signed by the chairman of the meeting at which the proceedings were held, or by the chairman of the next succeeding meeting, shall be evidence of the proceedings.
- (iii) Until the contrary is proved, every general meeting in respect of the proceedings hereof minutes have been so made shall be deemed to have been duly called and held, and all proceedings held thereat to have been duly held.

CHAPTER V

ELECTION OF DIRECTORS

63. Directors to be elected at general meeting

- (i) A director under clause (i) of sub-section (3) of Section 9 of the Act shall be elected by the shareholders on the register, other than the Central Government, from amongst themselves in the general meeting of Andhra Bank.
- (ii) Where an election of a director is to be held at any general meeting, the notice thereof shall be included in the notice convening the meeting. Every such notice shall specify the number of directors to be elected and the particulars of vacancies in respect of which the election is to be held.

64. List of shareholders

- (i) For the purpose of election of a director under sub-regulation (i) of Regulation 63 of these regulations, a list shall be prepared of shareholders on the register by whom the director is to be elected.
- (ii) The list shall contain the names of the shareholders, their registered addresses, the number and denoting numbers of shares held by them with the dates on which the shares were registered and the number for votes to which they will be entitled on the date fixed for the meeting at which the election will take place and copies of the list shall be available for purchase atleast three weeks before the date fixed for the meeting at a price to be fixed by the Board or the Management Committee, on application at the Head Office.

65. Nomination of candidates for election

- (i) No nomination of a candidate for election as a director shall be valid unless,
 - (a) he is a shareholder holding 100 (One Hundred) shares in Andhra Bank;
 - (b) he is on the last date for receipt of nomination, not disqualified to be a director under the Act or under the Scheme;
 - (c) he has paid all calls in respect of the shares of the Bank held by him, whether alone or jointly with others, on or before the last date fixed for the payment of the call;
 - (d) the nomination is in writing signed by atleast one hundred shareholders entitled to elect directors under the Act or by their duly constituted attorney, provided that a nomination by a shareholder who is a company may be made by a resolution of the directors of the said company and where it is so made, a copy of the resolution certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall be despatched to the Head Office of Andhra Bank and such copy shall be deemed to be a nomination on behalf of such company;

- (e) the nomination accompanies or contains a declaration signed by the candidate before a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-registrar of Assurances or other Gazetted officer or an officer of the Reserve Bank of India or any nationalised bank, that he accepts the nomination and is willing to stand for election, and that he is not disqualified either under the Act or the Scheme or these regulations from being a director.
- (ii) No nomination shall be valid unless it is received with all the connected documents complete in all respects and received, at the Head Office of Andhra Bank on a working day not less than fourteen days before the date fixed for the meeting.

66. Scrutiny of nominations

- (i) Nominations shall be scrutinised on the first working day following the date fixed for receipt of the nominations and in case any nomination is not found to be valid, the same shall be rejected after recording the reason therefor. If there is only one valid nomination for any particular vacancy to be filled by election, the candidate so nominated shall be deemed to be elected forthwith and his name and address shall be published as so elected. In such an event there shall not be any election at the meeting convened for the purpose and if the meeting had been called solely for the purpose of the aforesaid election, it shall stand cancelled.
- (ii) In the event of an election being held, if valid nominations are more than the number of directors to be elected, the candidate polling the majority of votes shall be deemed to have been elected.
- (iii) A director elected to fill an existing vacancy shall be deemed to have assumed office from the date following that on which he is, or is deemed to be elected.

67. Election disputes:-

- (i) If any doubt or dispute shall arise as to the qualification or disqualification of a person deemed, or declared to be elected, or as to the validity of the election of a director, any person interested, being a candidate or shareholder entitled to vote at such election, may, within seven days of the date of the declaration of the result of such election, give intimation in writing thereof to the Chairman and Managing Director of Andhra Bank and shall in the said intimation give full particulars of the grounds upon which he doubts or disputes the validity of the election.

- (ii) On receipt of an intimation under sub-regulation (i), the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director of Andhra Bank shall forthwith refer such doubt or dispute for the decision of a committee consisting of the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director and any two of the directors nominated under clauses (b) and (c) sub-section (3) of section 9 of the Act.
- (iii) The committee referred to in sub-regulation (ii) shall make such enquiry as it deems necessary and if it finds that the election was a valid election, it shall confirm the declared result of the election or, if it finds that the election was not a valid election, it shall, within 30 days of the commencement of the enquiry, make such order and give such directions including the holding of a fresh election as shall in the circumstances appear just to the committee.
- (iv) An order and direction of such committee in pursuance of this regulation shall be conclusive.

CHAPTER VI

VOTING RIGHTS OF SHAREHOLDERS

68. Determination of voting rights -

- (i) Subject to the provisions contained in section 3(2E) of the Act, each shareholder who has been registered as a shareholder on the date of closure of the register prior to the date of a general meeting shall, at such meeting, have one vote on show of hands and in case of a poll shall have one vote for each share held by him.
- (ii) Subject to the provisions contained in Section 3(2F) of the Act, every shareholder entitled to vote as aforesaid who, not being a company, is present in person or by proxy or who being a company is present by a duly authorised representative, or by proxy shall have one vote on a show of hands and in case of a poll shall have one vote for each share held by him as stated hereinabove in sub-regulation (i)

Explanation - For this Chapter, "Company" means any body corporate.

- (iii) Shareholders of the Bank entitled to attend and vote at a general meeting shall be entitled to appoint another person (whether a shareholder or not) as his proxy to attend and vote instead of himself; but a proxy so appointed shall not have any right to speak at the meeting.

69. Voting by duly authorised representative -

- (i) A shareholder, being the Central Government or a company, may by a resolution, as the case may be, authorise any of its officials or any other person to act as its representative at any general meeting of the shareholders and the person so authorised (referred to as a "duly authorised representative" in these regulations)

shall be entitled to exercise the same powers on behalf of the Central Government or company which he represents, as if he were an individual shareholder of the Andhra Bank. The authorisation so given may be in favour of two persons in the alternative and in such a case any one of such persons may act as the duly authorised representative of the Central Government / company.

- (ii) No person shall attend or vote at any meeting of the shareholders of Andhra Bank as the duly authorised representative of a company unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorised representative certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the head office of the Andhra Bank not less than four days before the date fixed for the meeting.

70. Proxies -

- (i) No instrument of proxy shall be valid unless, in the case of an individual shareholder, it is signed by him or by his attorney duly authorised in writing, or in the case of joint holders, it is signed by the shareholder first named in the register or his attorney duly authorised in writing or in the case of the body corporate signed by its officer or an attorney duly authorised in writing :

Provided that an instrument of proxy shall be sufficiently signed by any shareholder, who is, for any reason, unable to write his name, if his mark is affixed thereto and attested by a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-Registrar of Assurances or other Government gazetted officer or an Officer of the Andhra Bank.

- (ii) No proxy shall be valid unless it is duly stamped and a copy thereof deposited at the head office of Andhra Bank not less than four days before the date fixed for the meeting, together with the power of attorney or other authority (if any) under which it is signed or a copy of that power of attorney or other authority certified as a true copy by a Notary Public or a Magistrate unless such a power of attorney or the other authority is previously deposited and registered with Andhra Bank.

- (iii) No instrument of proxy shall be valid unless it is in Form "B".

- (iv) An instrument of proxy deposited with Andhra Bank shall be irrevocable and final.

- (v) In the case of an instrument of proxy granted in favour of two grantees in the alternative, not more than one form shall be executed.

- (vi) The grantor of an instrument of proxy under this regulation shall not be entitled to vote in person at the meeting to which such instrument relates.

- (vii) No person shall be appointed as duly authorised representative or a proxy who is an officer or an employee of Andhra Bank.

ANDHRA BANK

FORM "A"

SHARE TRANSFER FORM
(See Sub-regulation (i) of Regulation 17)

FOR THE CONSIDERATION stated below the "Transferor(s)" named do hereby transfer to the "Transferee(s)" named the shares specified below subject to the conditions on which the said shares are now held by the Transferor(s) and the Transferee(s) do hereby agree to accept and hold the said shares subject to the condition aforesaid.

Full Name of Company/Bank

Name of the recognised:
Stock Exchange, where
dealt in, if any,

Description of Equity Shares

No.in
Figures

Number in
words

Consideration
(in figures)

Consideration
(in words)

Distinctive
Numbers

From

To

Corresponding Certificate Nos.

Transferor(s) [Seller(s)]
particulars

Regd.
Folio No.

Signature(s)

Name(s) in full

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____

ATTESTATION

I hereby attest the signature of the
Transferor(s) herein mentioned

Signature

Name

Address/Seal

Signature of Witness

Name and address of witness

Transferee(s)
Name(s) in full

(Buyer(s) Particulars

Signature(s)

1. _____ 1. _____

2. _____ 2. _____

3. _____ 3. _____

Occupation

Address

Father's/Husband's Name

1. _____

2. _____

3. _____

Transferee(s) existing Folio if any,
in same order of Names _____

Value of
Stamps affixed Rs. _____

Dated this _____ day of _____ One Thousand Nine Hundred
_____ Place _____

For Office use only

Checked by _____
Signature
tallied by _____

Folio

Company Code

Specimen 1. _____
Signature(s)
of Transferee(s) 2. _____
3. _____

Entered in Register of

Transfer No. _____

Approval Date _____

ANDHRA BANKFORM "B"

FORM OF PROXY

(See sub-regulation (iii) of regulation 70)

Folio No. _____
(to be filled in by the shareholder)

I/We, resident of _____ in the district of _____
in the State of _____ being a shareholder/shareholders of the
Andhra Bank hereby appoint Shri _____
resident of _____ in the district of _____
in the State of _____ or failing him, Shri _____
resident of _____ in the district of _____
in the State of _____ as my/our proxy to vote for me/us and
on my/ our behalf at the meeting of the shareholders of the Andhra Bank to be held
on the _____ day of _____ 19____, and at any adjournment thereof.

Signed this _____ day of _____ 19____.

Name:
Address:Signature
(Affix
Revenue Stamp)

Instruction for attestation:

Attestation, where required (thumb impressions, marks, signature difference etc., should be done by a Magistrate, Notary Public or Special Executive Magistrate or a similar authority holding a Public Office and authorised to use the seal of his office or a member of a recognised Stock Exchange through whom the shares are introduced or a manager of the Transferor's Bank.

NOTE. Names must be rubber stamped preferably in a straightline. Chronological order should be maintained. Broker's Clearing Number should be stated when delivery is given by a clearing Member Bank.

Name of delivering Broker or Clearing Member	Date	POWER OF ATTORNEY/PROBATE/DEATH CERTIFICATE LETTERS OF ADMINISTRATION
--	------	--

Registered with the Company

No. _____ Date _____

(Signature (not initials) of broker, Bank, Company or Stock Exchange Clearing House)

LODGED BY: _____

FULL ADDRESS: _____

SHARE CERTIFICATE TO BE RETURNED TO:

(Fill in the name and address to which the certificates are required to be returned)

Name & Address: _____

Share Transfer Stamps

[Advt. III/IV/Exty/223/99]

D. JOGI RAJ, Board's Secy.

